राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,20सितम्बर2020 वर्ष-3, अंक -234 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023 (Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

69000 शिक्षक भर्ती मामला: सीएम योगी ने 31661 पदों को 1 सप्ताह में पूरा करने का दिया निर्देश

लखनऊ। बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को बेरोजगार अभ्यर्थियों ने 'बेरोजगारी दिवस' के रूप में मनाया था। इस मौके पर प्रयागराज, वाराणसी समेत प्रदेशभर में अभ्यर्थियों ने धरना-प्रर्दशन भी किया था। जिसका असर अब सीधा देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 69000 सहायक शिक्षक भर्ती मामले में बड़ा आदेश दिया है। जिसमें उन्होंने कहा है कि 69000 सहायक शिक्षकों के भर्ती मामले में 31661 पदों पर 7 दिन यानि 1 सप्ताह में भर्ती पूरी की जाएगी। इसके साथ ही सीएम ने बेसिक शिक्षा विभाग में 31661 सहायक अध्यापकों की भर्ती प्रक्रिया को जल्द पूरी करने के निर्देश। बता दें कि 3 जून को प्रदेश के विभिन्न जिलों में काउंसिलिंग प्रक्रिया शुरू की गई थी। दोपहर को हाईकोर्ट ने भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगाते हुए आदेश दिया कि शिक्षामित्रों के धारित 37339 पदों को छोड़कर ही भर्ती संपन्न की जाए। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया। यहां कोर्ट आदेश रिजर्व है लेकिन पब्लिस नहीं हुआ है जिसकी वजह से ही भर्ती लंबित है। सभी अभ्यर्थी कोर्ट आदेश का इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को नौकरी सहित रोजगार के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है।

कमलनाथ बोले- शिवराज इतने नालायक तो नहीं हैं...

ग्वालियर। विधानसभा उपचुनाव से पहले पूर्व सीएम कमलनाथ 2 दिवसीय ग्वालियर चंबल दौरे पर हैं। इस दौरान सीएम शिवराज सिंह पर निशाना साधते हुए वे इतने जोश में आ गए कि राजनीति की मर्यादाओं को ही भूल गए। मीडिया से चर्चा के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने सीएम शिवराज सिंह को नालायक कह दिया। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह पर तंज कसते हुये राजनीति की मर्यादाओं को ताक पर रख दिया। उन्होंने व्यंग करते हुए कहा कि शिवराज तो चुनाव के समय दोनों जेबों में नारियल लेकर घूमते हैं, जहां मौका मिला शिलान्यास-भूमिपूजन कर दिया। कमलनाथ ने सवाल करते हुए कहा कि शिवराज सिंह ने आरोप लगाए थे कि कांग्रेस सरकार ने राहुल गांधी के वचन के अनुसार 10 दिन में कर्ज माफ नहीं किया। लेकिन शिवराज सिंह इतने नालायक तो नहीं है! (अर्थात इतने नालायक हैं कि यह भी नहीं जानते कि कर्ज माफी की प्रक्रिया कितने दिन में पूरी की जा सकती है)। कमलनाथ ने मध्यप्रदेश की पहचान पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश की पहचान भ्रष्टाचार से है, अपराध से है। कमलनाथ की सफाई, जो पात्र नहीं थे उनका कर्जा नहीं हुआ माफ पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने दावा किया कि मैंने 26 लाख किसानों का कर्ज माफ किया। कमलनाथ ने कहा कि शिवराज और भाजपा किसानों के कर्ज के बारे में बात नहीं बकवास करते हैं, लेकिन कई किसान आयकर दाता निकले और 7 लाख किसानों के एक से ज्यादा खाते निकले। कमलनाथ ने सफाई दी कि जो पात्र नहीं थे, डिफाल्टर्स थे उनके कर्जे माफ नहीं किए गए। कमलनाथ ने चिंता ज़ताई कि हमारा संविधान और प्रजातंत्र दांव पर लगा है। यह चुनाव मध्यप्रदेश का भविष्य तय करेंगे। उन्होंने सवाल उठाया कि जो मुझसे 15 महीने का हिसाब मांगते हैं ।

खेती से जुड़े बिलों के विरोध पर प्रधानमंत्री:

कई दशकों तक सत्ता में रहने वाले अब किसानों को भड़काने की कोशिश कर रहे, उनसे झूठ बोल रहे : नरेंद्र मोदी

लखनऊ।

खेती से जुड़े बिलों पर मचे हंगामे के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि संसद में पास हुए ऐतिहासिक बिलों से किसानों को सुरक्षा मिलेगी। जो कई दशकों तक सत्ता में रहे वे किसानों को बहकाने की कोशिश कर रहे हैं, एग्रीकल्चर बिलों के बारे में किसानों से झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसान सब जानते हैं। वे देख सकते हैं कि बिचौलियों का साथ कौन दे रहा है। हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य दिलवाने के लिए कमिटेड है। एनडीए सरकार ने पिछले 6 सालों में किसानों के लिए जितना काम किया, उतना किसी और सरकार ने नहीं किया। मोदी ने कहा, मैं देशभर के किसानों को इन विधेयकों के लिए बहुत बधाई देता हूं। किसान और ग्राहक के बीच जो बिचौलिए होते हैं, जो किसानों की कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं, उनसे बचाने के लिए ये विधेयक लाए जाने बहुत आवश्यक थे। किसानों को अपनी उपज देश में कहीं पर भी, किसी को भी बेचने की आजादी देना, ऐतिहासिक कदम है। 21वीं सदी में भारत का किसान, बंधनों में नहीं, खुलकर खेती करेगा, जहां मन आएगा अपनी उपज बेचेगा, किसी बिचौलिए का मोहताज नहीं रहेगा और अपनी उपज, अपनी आय भी बढ़ाएगा । उन्होंने कहा, हमारी सरकार किसानों को समर्थन मूल्य (एमएसपी) के जरिए उचित मूल्य दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम इसके लिए पहले भी थे, आज भी हैं और आगे भी रहेंगे। सरकारी खरीद भी पहले की तरह जारी रहेगी। अब ये दुष्प्रचार किया जा रहा है कि सरकार किसानों को समर्थन मूल्य का लाभ नहीं देगी। ये भी मनगढ़ंत बातें कही जा रही हैं कि किसानों से धान और गेहूं जैसी अन्य फसलों की खरीद सरकार नहीं करेगी। ये सरासर झूठ है। गलत है। किसानों के साथ धोखा है। फार्मर्स प्रोड्यूस ट्रेड एंड कॉमर्स (प्रमोशन एंड फेसिलिटेशन) बिल फार्मर्स (एम्पावरमेंट एंड प्रोटेक्शन) एग्रीमेंट ऑफ प्राइस एश्योरेंस एंड फार्म सर्विसेज बिल एसेंशियल कमोडिटीज (अमेंडमेंट) बिल इन तीनों विधेयकों को सरकार ने लॉकडाउन के दौरान 5 जून को ऑर्डिनेंस के जरिए लागू किया था। तब से ही इन पर हंगामा मचा हुआ है। केंद्र सरकार इन्हें अब तक का सबसे बड़ा कृषि सुधार कह रही है। लेकिन, विपक्षी पार्टियों को इनमें किसानों का शोषण और कॉरपोरेट्स का फायदा दिख रहा है। बिल के विरोध में हरसिमरत कौर बादल का इस्तीफा इन बिलों का पंजाब में विरोध हो रहा है। इसे देखते हुए शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने गुरुवार को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज मिनिस्टर के पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को इस्तीफा मंजूर कर लिया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर अब मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। सरकार कहती है : राज्यों में चल रहीं मंडियां जारी रहेंगी। लेकिन, किसान के पास खुले बाजार में कहीं भी बेचने का हक भी होगा। विरोध में तर्क: शुरुआत में तो मंडियां चलेंगी पर धीरे-धीरे कॉरपोरेट कब्जा कर लेंगे। मंडियों का मतलब नहीं रह जाएगा। सरकार कहती है : न्यूनतम समर्थन मूल्य यानी रुस्क बना रहेगा। सरकार रुस्क पर ही कृषि उपज की खरीदारी जारी रखेगी। विरोध में तर्क: जब कॉरपोरेट कंपनियां किसान से पहले ही कॉन्ट्रैक्ट कर लेंगी तो रुस्क की अहमियत ही खत्म हो जएगी। सरकार कहती है : किसान देश में किसी भी बाजार या ऑनलाइन ट्रेडिंग से फसल बेच सकता है। कई विकल्पों से बेहतर कीमत मिलेगी। विरोध में तर्क: कीमतें तय करने का कोई सिस्टम नहीं होगा। प्राइवेट सेक्टर की ज्यादा खरीदारी से एक कीमत तय करने में दिक्कत होगी। सरकार कहती है : किसान को तय मिनिमम रकम मिलेगी। कॉन्ट्रैक्ट, किसान की फसल और इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित रहेगा। किसान की जमीन पर कोई कंट्रोल नहीं होगा। विवाद पर एडीएम 30 दिन में फैसला देगा।विरोध में तर्क : कॉरपोरेट या व्यापारी अपने हिसाब से फर्टिलाइजर डालेगा और फिर जमीन बंजर भी हो सकती है।

फारूक अब्दुल्ला ने लोकसभा में उठाया जम्मू-कश्मीर का मुद्दा, फिर की पाकिस्तान से बातचीत की मांग

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और लोकसभा सदस्य फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को केंद्रशासित प्रदेश की मौजूदा स्थिति का मुद्दा शनिवार को सदन में उठाया और कहा कि चीन की तरह दूसरे पड़ोसी देश से भी बातचीत होनी चाहिए। उन्होंने सदन में शून्यकाल के दौरान कहा कि वे उन सभी लोगों का आभार प्रकट करना चाहता हैं जिन्होंने उनके हिरासत में रहने के दौरान समर्थन जताया। हिरासत से रिहा होने के बाद पहली बार लोकसभा में आपनी बात रखते हुए नेशनल कांफ्रेंस के नेता ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में प्रगति होनी चाहिए थी लेकिन वहां कोई प्रगति नहीं हुई है। उन्होंने कहा, '' आज हमारे बच्चों और दुकानदारों के पास 4जी इंटरनेट की सुविधा नहीं है, जबकि पूरे देश में है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में कुछ लोगों के कथित मुठभेड़ में मारे जाने का उल्लेख किया और कहा कि मुझे खुशी है कि सेना ने माना कि शोपियां में गलती से तीन आदमी मारे गए। अब्दुल्ला ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि संबंधित परिवारों को उचित मुआवजा मिलेगा।

उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बगैर कहा कि हम जिस तरह से चीन से बात कर रहे हैं उसी तरह पड़ोसी से बात करनी पड़ेगी। रास्ता निकालना पड़ेगा। अब्दुल्ला ने कहा कि अगर हिंदुस्तान तरक्की कर रहा है तो क्या जम्मू-कश्मीर को तरक्की नहीं करनी चाहिए।

तृणमूल सांसद ने कहा- सरकार नीमहकीमी को बढ़ावा दे रही

नई दिल्ली।

कोरोना के बीच संसद के मानसून सत्र का आज पांचवां दिन है। राज्यसभा में आज होम्योपैथी सेंट्रल काउंसिल (अमेंडमेंट) बिल पास हो गया। इस पर चर्चा के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद शांतनु सेन ने कहा कि सरकार प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों और नीमहकीमी को बढ़ावा दे रही है। ऐसी सरकार से और क्या उम्मीद की जा सकती है, जो कहती है कि गौमूत्र पीने से कोरोना का इलाज हो सकता है। सेन के बयान पर स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने कहा कि नीमहकीमी शब्द के इस्तेमाल से दुख हुआ। शिरोमणि अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने गुरुवार को फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज मिनिस्टर के पद से इस्तीफा दे दिया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को इस्तीफा मंजूर कर लिया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर अब मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। खेती से जुड़े 3 विधेयकों के खिलाफ पंजाब के किसानों का गुस्सा देखते हुए बादल ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ उनकी बेटी और बहन के रूप में खड़े होने पर गर्व है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शुक्रवार को इस्तीफा मंजूर कर लिया। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर अब मिनिस्ट्री ऑफ फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्रीज की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। खेती से जुड़े 3 विधेयकों के खिलाफ पंजाब के किसानों का गुस्सा देखते हुए बादल ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ उनकी बेटी और बहन के रूप में खड़े होने पर गर्व है। खेती से जुड़े 3 विधेयकों के खिलाफ पंजाब के किसानों का गुस्सा देखते हुए बादल ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने कहा कि किसानों के साथ उनकी बेटी और बहन के रूप में खड़े होने पर गर्व है।

दीपेश सावंत और बशित परिहार की जमानत याचिका पर 29 सितंबर तक टली सुनवाई

नई दिल्ली। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत मामले में एम्स की विसरा रिपोर्ट शुक्रवार को आ सकती है।, इसके बाद यह तय हो जाएगा कि अभिनेता ने आत्महत्या की है या उनका मर्डर हुआ है। रिपोर्ट को लेकर एम्स के डॉक्टरों का पैनल फाइनल मीटिंग करेगा। बॉम्बे हाई कोर्ट ने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले से जुड़े ड्रग मामले में गिरफ्तार सैमुअल मिरांडा , दीपेश सावंत और बाशि त परिहार की जमानत याचिका पर सुनवाई 29 सितंबर तक के लिए टाल दी है। बता दें कि एनसीबी ने ड्रग मामले में बीते चार सितंबर को शौविक चक्रवर्ती और सैमुअल मिरांडा को गिरफ्तार किया था। विसरा रिपोर्ट से साफ होगा कि सुशांत को जहर दिया गया था या नहीं। इससे पहले कलीना फॉरेंसिक ने अपनी रिपोर्ट में विसरा रिपोर्ट को निगेटिव बताया था। बता दें, दोबारा सामने आने वाली ये रिपोर्ट एक्टर के 20 प्रतिशत विसरा के जांच पर तैयार की गई है। क्योंकि मुंबई पुलिस ने सुशांत का 80 फीसदी विसरा अपनी जांच में इस्तेमाल कर लिया था। इस मामले में जांच पैनल का नेतृत्व कर रहे एम्स के फॉरेंसिक विभाग के प्रमुख डॉ. सुधीर गुप्ता ने कुछ दिन पहले कहा था, हम हत्या होने के अलावा सभी संभावित एंगल्स से इस पूरी जांच को करेंगे। उन्होंने कहा था, हमारी टीम राजपूत के शरीर पर चोट के पैटर्न का विश्लेषण करेगी और परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के साथ उन्हें मिलाएगी। उन्होंने कहा था, संरक्षित विसरा की जांच की जाएगी और जो एंटी-डिप्रेसेंट राजपूत को दिए गए थे।

शिवसेना ने वाजपेयी के समय के NDA की तारीफ, मोदी सरकार की नीतियों पर उठाए सवाल

मुंबई ।

शिवसेना ने शनिवार को अर्थव्यवस्था, व्यापार और कृषि पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत राजग सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए और आरोप लगाया कि सरकार हवाई अड्डों, एअर इंडिया तथा रेलवे के निजीकरण की ओर बढ़ रही है तथा किसानों के जीवन का नियंत्रण व्यापारियों और निजी क्षेत्र को दे रही है। शिवसेना ने यह आरोप भी लगाया कि केंद्र ने अपने सहयोगियों, किसान संगठनों या विपक्षी दलों के साथ परामर्श किये बिना कृषि पर विधेयक पेश किए और केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल के इस्तीफे से यह बात पूरी तरह साफ हो गयी है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना के एक संपादकीय में लिखा है कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी के समय का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) अलग था क्योंकि वे राजग के घटक दलों को सम्मान के साथ देखते थे और उनसे परामर्श करते थे। इसमें लिखा है, ''शिरोमणि अकाली दल की सदस्य हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया है। मोदी सरकार दो किसान-विरोधी विधेयक लाई है और उन्होंने इसके विरोध में इस्तीफा दिया है। उनके इस्तीफे को कबूल कर लिया गया है। शिवसेना पहले ही राजग से बाहर हो चुकी है और अब अकाली दल ने कदम उठाया है। शिवसेना ने कहा, ''वाजपेयी और आडवाणी के समय राजग के सहयोगी दलों को सम्मान, लगाव और विश्वास के साथ देखा जाता था। नीतिगत निर्णयों पर परामर्श होता था और भाजपा नेता सहयोगी दलों के विचारों को सुनते थे। उस समय बोले गए शब्दों का मान होता था। इसमें कहा गया, ''महाराष्ट्र की तरह ही पंजाब कृषि आधारित अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। इसलिए किसानों पर विधेयक लाने से पहले सरकार को महाराष्ट्र, पंजाब और बाकी देश में किसान संगठनों तथा कृषि विशेषज्ञों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करनी चाहिए थी। शिवसेना के अनुसार विधेयक में ऐसा तंत्र बनाने का प्रावधान है जिसमें कारोबारी मंडियों के बाहर भी किसानों के उत्पाद खरीद सकते हैं। कांग्रेस, द्रमुक और तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रावधान का विरोध किया है। उनका मानना है कि यह किसान विरोधी है। उसने आरोप लगाया, ''केंद्र सरकार हवाई अड्डों, एअर इंडिया, बंदरगाहों, रेलवे, बीमा कंपनियों के निजीकरण की ओर बढ़ रही है तथा किसानों के जीवन का नियंत्रण कारोबारियों और निजी क्षेत्र के लोगों को दे रही है। अर्थव्यवस्था, व्यापार, कृषि से संबंधित मोदी सरकार की नीतियां संदेह पैदा करती हैं। शिवसेना के मुताबिक, ''सरकार कहती है कि नयी प्रणाली से किसानों को फायदा होगा। अगर इसे सच मान भी लिया जाए तो देश में कुछ शीर्ष किसान नेताओं के साथ बातचीत करने में क्या हर्ज था? उसे कम से कम राकांपा नेता शरद पवार से बातचीत करनी चाहिए थी। लेकिन इस सरकार को 'संवाद या 'परामर्श शब्द से कोई लेनादेना नहीं है। लोकसभा ने बृहस्पतिवार को कृषि उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्द्धन और सुविधा) विधेयक-2020 और कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) कीमत आश्वासन समझौता और कृषि सेवा पर करार विधेयक-2020 को मंजूरी दे दी। हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि कृषि विधेयकों के विरोध में केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफे का उनका फैसला 'किसानों के हितों की सुरक्षा के लिए ।

कोरोना: दुनिया में अब भारत का रिकवरी रेट सबसे ज्यादा, अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली।

कोरोना केस के बढ़ते मामलों में भारत अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है। वहीं कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों के मामले में भारत अमेरिका को पछाड़कर एक नंबर पर पहुंच गया है। यानी कि कोरोना से ठीक होने वाले सबसे अधिक लोग भारत में हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को इस बात की जानकारी दी है। अब तक देश में 42,20,511 कोरोना मरीज ठीक होकर वापस लौटे हैं। यानी कि भारत में कोरोना रिकवरी रेट अब बढ़कर करीब 80 प्रतिशत हो गया है, जबकि मृत्युदर घटकर 1.61 प्रतिशत पर पहुंच गई है। शनिवार को देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के 93,337 नए मामले सामने आए लेकिन इसी अवधि में इससे अधिक लोग संक्रमण मुक्त हुए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक बीते 24 घंटे में 95,880 लोग संक्रमण मुक्त हो गए हैं। इसी अवधि में कोरोना वायरस संक्रमण के 93,337 नए मामले सामने आए जिसके साथ देश में कोविड-19 के कुल 53,08,014 मामले हो गए हैं। आंकड़ों के मुताबिक अब तक कुल 42,20,511 लोग संक्रमणमुक्त हो चुके हैं तथा ठीक होने वाले लोगों की दर बढ़कर 79.28 फीसदी हो गई है। बीते 24 घंटे में 1,247 संक्रमितों की मौत हुई है जिसके साथ मृतक संख्या बढ़कर 85,619 हो गई। कोविड-19 के कारण मरने वालों की दर घट कर 1.61 फीसदी हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक देश में फिलहाल कोविड-19 के 10,13,964 मरीजों का इलाज चल रहा है जो संक्रमण के कुल मामलों का 19.10 फीसदी है। जबकि 23 अगस्त को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 30 लाख के पार हो गई। देश में पांच सितंबर को संक्रमितों की संख्या 40 लाख हुई।

विश्व के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन पर तैनात जवानों के खाने-पीने में नहीं कोई कमी: सरकार

नेशनल डेस्क। केंद्र सरकार ने शनिवार को स्पष्ट किया कि दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धस्थल सियाचिन में तैनात सैनिकों को दिए जाने वाले भोजन की पौष्टिकता में कोई कमी नहीं है और यह पर्याप्त से अधिक है। तृणमूल कांग्रेस सदस्य शांता छेत्री ने राज्यसभा में सरकार से सवाल किया था कि क्या सिचाचिन में तैनात सैनिकों द्वारा ली जा रही कैलोरी की मात्रा में 82 प्रतिशत तक की कमी है। इसके लिखित जवाब में रक्षा राज्यमंत्री श्रीपाद नाइक ने कहा कि जी, नहीं। ऐसा कोई मामला नहीं आया है। एक दिन के लिए मानक राशन में ऊर्जा खर्च को पूरा करने के लिए पर्याप्त कैलोरी होती है नाइक ने बताया कि राशन मानकों को जलवायु की विभिन्न परिस्थितियों में सैनिकों के ऊर्जा खर्च के अनुसार एक सैनिक की पोषण संबंधी आवश्यकता के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उन्होंने कहा कि सियाचिन जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों (12000 फुट से अधिक) में इस प्रकार की परिस्थितियों में ऊर्जा खर्च की आपूर्ति के लिए राशन के विशेष मानक प्राधिकृत हैं। रक्षा कायिकी एवं संबद्ध विज्ञान संस्थान (डीआईपीएएस) द्वारा किए गए एक अध्ययन का हवाला देते हुए नाइक ने बताया 12000 फुट से अधिक ऊंचाई पर तैनात सैन्य दलों के लिए कुल ऊर्जा खर्च 4270 किलो कैलोरी है जबकि मौजूदा राशन 5350 किलो कैलोरी का है। रक्षा राज्यमंत्री ने कहा कि यह देखा जा सकता है कि राशन से कैलोरी सेवन पर्याप्त से अधिक है। सभी स्थानों पर सैन्य दलों की पसंद के साथ-साथ पोषण संबंधी आवश्यकताओं की आपूर्ति करते हुए ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कृषि में बदलाव

कृषि संबंधी तीन विधेयकों के लोकसभा से पारित होते ही देश के अनेक हिस्सों में राजनीति का गरमाना जितना स्वाभाविक है, उतना ही चिंताजनक भी है। किसानों के प्रदर्शन से लाभ कम और नुकसान ज्यादा होता है, अतः नुकसान से बचने की कोशिश हर स्तर पर करते हुए उनका विश्वास जीतना चाहिए। केंद्र सरकार के लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन विधेयकों के विरोध में केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने न सिर्फ इस्तीफा दे दिया, बल्कि उनका इस्तीफा स्वीकार भी हो गया है। सरकार ने अपनी ओर से साफ संकेत दे दिया है कि वह इस मामले में पीछे नहीं हटेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कृषि संबंधी विधेयकों की पैरोकारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जो किसानों से कमाई का बड़ा हिस्सा खुद ले लेते हैं, उनसे किसानों को बचाने के लिए इन विधेयकों को लाना बहुत जरूरी था। उन्होंने यह भी कहा कि ये तीनों विधेयक किसानों के लिए रक्षा कवच बनकर आए हैं। प्रधानमंत्री की भावना के अनुरूप ही किसानों को विश्वास में लेने की जरूरत है। सरकार को संवाद के रास्ते पर चलते हुए सभी विरोधियों को आश्वस्त करना चाहिए था, पर जिस तरह से पुरानी सहयोगी पार्टी शिरोमणि अकाली दल को निराश किया गया है, वह अनेक लोगों को चौंकाएगा। अकाली दल अब सरकार से समर्थन वापस लेने की भी घोषणा कर सकता है, हालांकि इससे केंद्र सरकार की सेहत पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। जिस तरह से विगत के अनेक बदलावों के प्रति केंद्र सरकार दृढ़ रही है, वैसी ही दृढ़ता इस मामले में दिख रही है। दरअसल, पंजाब और हरियाणा की राजनीति किसानों द्वारा संचालित रही है। पार्टियों और नेताओं में खुद को किसान सिद्ध करने की होड़ रहती है, ऐसे राज्य में शिरोमणि अकाली दल के केंद्रीय मंत्रिमंडल से बाहर जाने का सीधा अर्थ है कि यह दल किसानों के विरोध को झेलने की स्थिति में नहीं है। लोकसभा में विधेयक के पारित होने से ठीक पहले मंत्रिमंडल से इस्तीफा देने की बजाय काफी पहले ही विरोध स्वरूप हट जाना चाहिए था। ऐन मौके पर इस्तीफा देने के कारण ही प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों द्वारा यह दुष्प्रचार किया जा रहा है कि किसानों से धान-गेहूं इत्यादि की खरीद सरकार द्वारा नहीं की जाएगी। प्रधानमंत्री के इस आश्वासन से किसानों को राहत का एहसास जरूर हुआ होगा। पूरी दुनिया के कृषि बाजार में जो व्यवस्था है, उसे भारत में कमोबेश लागू करना पुरानी मांग है। लेकिन कोई भी बदलाव करते हुए किसानों के हित के साथ-साथ राज्य सरकारों को मंडी से मिलने वाले राजस्व को भी बहाल रखना चाहिए। जो नेता खुद को किसानों का पक्षधर बताते हैं, उन्हें आगे आकर किसानों के लाभ को सुनिश्चित करना चाहिए। कृषि क्षेत्र में खुला बाजार और कंपनियां हमारे देश में नई बात नहीं है, इस खुले बाजार में भी किसानों के हितों की रक्षा करना सरकारों की जिम्मेदारी है। देश में किसानों की बदहाली से सभी वाकिफ हैं, इसलिए उनकी हरेक चिंता का निवारण करना सरकारों का प्राथमिक दायित्व है। यह भी ध्यान रहे, किसानों का शोषण करने वाले लोग विदेश से नहीं आते, यहीं हमारे बीच से खड़े होते हैं। कृषि और कृषकों के दुश्मन दलालों और कंपनियों को स्थानीय स्तर पर ही संगठन की शक्ति से नियंत्रित करना होगा।

आज के ट्वीट

जिम्मेदारी

हमारे लिए सभी कोरोना वॉरियर्स वीआईपी हैं, उनकी देखभाल करना हम सब का कर्तव्य है। प्रदेश में सभी कोरोना मरीजों के लिए समान रूप से इलाज की व्यवस्था है। हमारी जिम्मेदारी एक-एक कोरोना पॉजिटिव के प्रति है . -- मु. अशोक गहलोत

वक्त की नजाकत समझ जिम्मेदारी निभाए मीडिया

गुरबचन जगत

जहां तक मुझे याद है, नवीनतम खबरें सुनने-पढ़ने का काफी शौक रहा है। जूनियर स्कूल के दिनों में भी चाव से अखबारें पढ़ा करता था। हम पुणे (तब पूना) में रहते थे और मैं क्षेत्रीय अखबार 'फ्री प्रेस जरनल' पढ़ा करता था। उन दिनों ऑल इंडिया रेडियो से रात 9 बजे की खबरें सुनना नित्यकर्म था, यह ऐसा अनुष्ठान था, जिसे मेरे पिताजी शायद ही छोड़ते थे। मैलेविले डि-मैलो की आवाज में इंग्लिश की और हिंदी में देवकीनंदन पांडे के स्वर में खबरें सुनना सुखद था। उच्चारण बहुत उम्दा-सटीक था, खबरों की सामग्री ठोस-स्पष्ट हुआ करती थी। खबरों के दौरान विशेषज्ञ की राय रूपी व्यवधान नहीं होता था। ऑल इंडिया रेडियो के अलावा बीबीसी या वॉयस ऑफ अमेरिका को सुनने का विकल्प था। बड़े लोगों की ज्वलंत मुद्दों पर होने वाली बातचीत हम बच्चों के कानों में भी पड़ती थी, अनुशासन रखते हुए हम अपनी आवाज धीमी रखते थे। विभिन्न विषयों पर चर्चाएं हमें दुनियाभर की सैर करवा सुखद अनुभूति देती थी। उस दौर में राजनीति, साहित्य, कला, खेल जगत इत्यादि विषयों पर चर्चाएं होती थीं। संपादकीय पन्नों को पढ़कर हमें बहुत कुछ जानने को मिला। लेखकों में पत्रकारिता के धुरंधर जैसे कि फ्रैंक मोरेज, चलापति राजू, सीआर ईरानी, गिरिलाल जैन, खुशवंत सिंह इत्यादि थे। समसामयिक घटनाओं का सटीक विश्लेषण वाले लेख विषय को गहराई से समझने-मनन करने को प्रेरित करते थे। आगे पढ़ने-जानने की उत्कंठा भी जगाते थे। कालांतर टेलीविजन के दौर में स्वदेशी चैनल 'दूरदर्शन' आया, जो कमोबेश ऑल इंडिया रेडियो का दृश्य-श्रव्य रूपांतरण था। हालांकि, खबरें ज्यादातर एकतरफा होती। फलतः दूरदर्शन का एकछत्र राज कमजोर हुआ और निजी चैनल आए। बाद में विदेशी चैनल भी पहुंचे। आज राष्ट्रीय स्तर के हिंदी- इंग्लिश चैनलों के अलावा क्षेत्रीय भाषाओं और अंतर्राष्ट्रीय चैनल भी हैं। विडंबना यह है कि अपवाद स्वरूप कुछेक ऑनलाइन वेबसाइटों और टीवी चैनलों को छोड़कर ज्यादातर अतिरंजित खबरें प्रसारित कर रहे हैं। पहले मंत्र था—खबरें सही हों, आकलन आप जैसा चाहे करें। यह बात प्रिंट मीडिया और टीवी पर लागू थी। जबकि आज भिन्न चैनलों पर एक ही घटना के अलहदा रूपांतरण दिखते हैं और साथ ही अजीबोगरीब विश्लेषण। आमतौर पर पैनल विशेषज्ञों में ज्यादातर राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, सेवानिवृत्त नौकरशाह, पत्रकार और कथित विशेषज्ञ होते हैं। जानकार तो नाममात्र के होते हैं। एंकर शो का कमांडर-इन-चीफ बनकर बैठता है और चीखकर चर्चा की अगुवाई करता है और विपक्षी वक्ताओं पर हावी होकर उन्हें बोलने नहीं देता। चैनल का स्टूडियो रणभूमि में तब्दील हो जाता है। अलहदा विचार वाले विशेषज्ञ तक को भी धमकाकर चुप कराया जाता है। फलतः अनावश्यक शोर से वार्ता सार्थक नहीं रह जाती। एंकर का राजनीतिक रुझान और विशेषज्ञों का चयन वार्ता के निष्कर्षों पर सवाल उठाता है। इन तमाशों में सुर, शब्दावली और सामग्री इतनी गलीज होती है कि एक सभ्य नागरिक हेतु यातना जैसा होती है। दर्शकों का विचारधारा विशेष का वर्ग कार्यक्रम से जुड़ा रहता है, बाकी के अन्य संजीदा चैनलों की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन असल खबरिया चैनल हैं कहां? जिसे देखो तीक्ष्ण संवाद कर रहा होता है। ऐसे में बीबीसी, सीएनएन इत्यादि चैनल का विकल्प रह जाता है। लेकिन वे भारत के बारे में ज्यादा खबरें नहीं दिखाते। आजकल सुशांत राजपूत की आत्महत्या प्राइम टाइम पर छाई हुई है। हालांकि, फिल्मों की ज्यादा जानकारी न रखते हुए भी इतना समझता हूं कि वह एक उम्दा अभिनेता थे और उनकी मृत्यु फिल्म उद्योग के लिए क्षति है। लेकिन यदि उनके परिजनों को मृत्यु के कारणों को लेकर कोई संशय था तो उन्हें पहले पुलिस से शिकायत करनी चाहिए थी ताकि जांच हो सके। जिक्र करना चाहूंगा कि मुंबई पुलिस आज भी भारत के सर्वोत्तम पुलिस बलों में एक गिनी जाती है और जांच की अर्जी दाखिल किए जाने से पहले ही उसकी ईमानदारी पर शक का कोई कारण नहीं था। क्यों बिहार सरकार इस मामले में इतना दखल दे रही है? और इसमें सीबीआई या प्रवर्तन निदेशालय का क्या काम था? आखिर क्यों टीवी चैनलों ने इसे चौबीसों घंटे दिखाए जाने वाला तमाशा बनाया? क्या मौजूदा मुश्किल समय में ऐसा मीडिया-ट्रायल चलाना सच में ऐसा मुद्दा है? या फिर दर्शकों के ध्यान को 'पाइड पाइपर' नामक कहानी के चूहों की भांति बरगलाकर गुफा में बंद करने को भरमाया जा रहा है, जिन्हें बीन वादक अपनी धुन से सम्मोहित कर हांक ले गया था? निजी घरानों के मीडिया चैनलों की राजनीतिक आकाओं के प्रति स्वामी-भक्ति दिखाने के खेल की जांच करने की जरूरत है। अब मैं कोविड महामारी, भुला दिए गए आप्रवासी पलायन, लद्दाख क्षेत्र में चीन एवं पाकिस्तान से लगती वास्तविक सीमा नियंत्रण रेखाओं पर दुरूह क्षेत्रों में बैठे जवानों और बिखरी अर्थव्यवस्था एवं इससे उपजी भयंकर बेरोजगारी पर बात करूंगा। आखिर खबरिया चैनलों के तुर्रमखां एंकरों ने पैदल पलायन को मजबूर हुए मजदूरों के साथ कितनी दूर तक चलना गवारा किया था?

प्रवासी श्रमिक अब कहां-किस हालात में हैं? पैनल पर आने वाले कितने विशेषज्ञों ने स्वयं अस्पतालों का दौरा कर कोविड इलाज की हकीकत को जाना? बाहरी स्रोतों से अस्पतालों की जो डरावनी खबरें मिल रही हैं, क्या वह सही हैं? कुर्सी पर बैठकर पराक्रम दिखाने वाले एंकरों में कितनों ने मोर्चों पर सचमुच पहुंचकर खबरें की हैं कि सीमा पर जवान किन हालातों में जी और लड़ रहे हैं? कैसे वे बर्फीले मौसम में अपना बचाव करेंगे? देश की अर्थव्यवस्था में आज तक की बड़ी गिरावट और नौकरियों की छंटनी से जीवनयापन को हुआ नुकसान कितना गहरा है? क्या मुद्दे प्राइम टाइम पर चर्चा लायक नहीं हैं? मेरे मीडिया के मित्रों, लद्दाख में संभावित लड़ाई, कोरोना से पैदा हुई चुनौतियां और गिरती अर्थव्यवस्था का मुकाबला हम स्टूडियो में बैठकर चिल्लाने से नहीं कर सकते, इससे पार पाने को तो मैदान में उतरना होगा। उसके लिए आपको एक संजीदा और जनता को सही खबर देने वाला प्रेरक चेहरा बनना होगा। राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों को खबरों का मुख्य बिंदु बनाइए न कि सच को ढांपने के लिए बनाए गए सरकारी आंकड़ों और विज्ञप्तियों की आड़ लें। न ही बॉलीवुड की चटपटी कहानियों के शोर में इन्हें भुलाने का इंतजाम करें। शुक्र है कि अभी भी प्रिंट मीडिया में अपवादस्वरूप कुछ सम्माननीय प्रकाशन बचे हुए हैं जो पत्रकारिता के दुर्ग को बचाए हुए हैं। लोकतंत्र का चौथा स्तंभ आज हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था का गैर-सरोकारी अंग बनकर रह गया है। इसका काम भ्रष्टाचार, मिथ्या सूचनाओं और फरेब को उजागर करने वाला प्रहरी बनना है। आज सोशल मीडिया को राजनीतिक स्वार्थों के लिए दुष्प्रचार और वैमनस्य बढ़ाने का हथियार बनाया जा रहा है। विकसित देशों में भी इन्हें साधन बनाकर संकीर्ण लक्ष्य साधने की कोशिश होती है। अब यह जिम्मेवारी रिवायती प्रिंट और टीवी मीडिया के कंधों पर है कि वे ईमानदार, तटस्थ रिपोर्टिंग करने वाले मूल्यों को जिंदा रखें। इतिहास में दर्ज है कि अमेरिका में मीडिया ने पूर्व राष्ट्रपति निक्सन का कच्चा चिट्ठा जाहिर कर उन्हें घुटनों पर ला दिया था। इसकी बनिस्बत काश! हमें भारतीय मीडिया के पत्रकारों के बारे में यह राय न बनानी पड़ती कि धौंसपट्टी करने को उतारू और कॉर्पोरेट घरानों से आने वाले दबावों-संकेतों से वे कठपुतली जैसा व्यवहार करने लगते हैं। क्या रिवायती मीडिया मौके की नजाकत समझ जागेगा और हमें सच का निर्लेप चेहरा दिखाएगा? यह भविष्य ही बताएगा। लेखक संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष, मणिपुर के राज्यपाल एवं जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

ज्ञान गंगा

परमानंद

जग्गी वासुदेव

आज तो भ्रमित करने वाले नशे की दवाएं भी ब्लिस (परमानंद) के नाम से बेची जाती हैं। अगर आप पश्चिम में 'ब्लिस' कहेंगे तो उन्हें लगेगा कि आप नशे की किसी खास गोली की बात कर रहे हैं। सच्चा परमानंद और झूठा परमानंद जैसा कुछ नहीं होता। जब आप सत्य में होते हैं तभी परमानंद में होते हैं। जब आप वास्तव में सत्य से जुड़ेंगे तब ही परमानंद में होंगे। परमानंद की अनुभूति होना अथवा न होना, ये आप के लिए एकदम सटीक परीक्षण की तरह है जो आप को बताता है कि आप सत्य में हैं अथवा नहीं हैं। ये प्रश्न शायद इस खास दिमागी सोच में से आ रहा है, 'अगर मैं सूर्यास्त देख रहा हूं और एकदम आनंद में हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है, मैं प्रार्थना कर रहा हूं और आनंद में हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है? या मैं अगर ध्यान कर रहा हूं और आनंदमय हूं तो क्या यह सच्चा परमानंद है'? अधिकतर लोग सुख को परमानंद समझ लेते हैं। आप कभी भी सुख को हमेशा के लिए टिका कर नहीं रख सकते। लेकिन परमानंद की अवस्था का अर्थ है 'वो अवस्था जो किसी पर भी आधारित नहीं है'। सुख हमेशा किसी व्यक्ति या वस्तु या परिस्थिति पर आधारित होता है। परमानंद की अवस्था किसी पर भी आधारित नहीं होती। आप के स्वभाव के कारण होती है। एक बार आप इसके साथ जुड़ जाते हैं तो आप इसमें ही होते हैं, बात बस यही है। परमानंद की अवस्था कोई ऐसी नहीं है जो आप कहीं बाहर से कमा कर लाएं। ये वो है जो आप अपने ही अंदर गहराई में उतर कर पाते हैं। यह कुआं खोदने जैसा है। आप मुंह खोल कर प्रतीक्षा करें कि जब बरसात होगी तब उसकी बूंदें आपके मुंह में गिरेंगी तो उनमें से कुछ बूंदें आपके मुंह में गिर भी सकती हैं। लेकिन अपनी प्यास बुझाने का यह तरीका हताशाजनक है। और बारिश हमेशा नहीं होती। दो-एक घंटे होगी और फिर बंद हो जाएगी। यही कारण है कि आप अपना कुआं खोदते हैं जिससे साल भर पानी मिलता रहे। आप जिसे सच्चा परमानंद कह रहे हैं, वो बस यही है। आपने अपने अंदर अपना कुआं खोद लिया है, और वो पानी प्राप्त कर लिया है जो आप के लिये हमेशा टिका रहेगा। यह वो पानी नहीं है जो आप को बरसात के समय मुंह खोल कर, उसके नीचे खड़े होने से मिलेगा। नहीं, यह वो पानी है जो हमेशा ही आप के पास है। यही परमानंद है।

आज का राशिफल

मेष	अर्थिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
वृषभ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें। अपनों से तनाव मिलेगा।
कर्क	व्यावसायिक योजना सफल होगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। आय और व्यय में एक संतुलन बना कर रखें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
सिंह	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन लाभ की संभावना है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
कन्या	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें।
तुला	व्यावसायिक तथा आर्थिक प्रयास सफल होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
वृश्चिक	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक खर्चो का सामना करना पड़ेगा। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खान-पान में संयम रखें। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। विरोधियों का पराभव होगा।
मकर	पारिवारिक जनों से पीड़ा मिल सकती है। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। प्रियजन पीड़ा मिल सकती है।
कुम्भ	जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधी परास्त होंगे।
मीन	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

टूटने लगा है बच्चों का सुरक्षा कवच

मधुरेन्द्र सिन्हा

कोविड महासंकट के इस काल में जबकि सारी आबादी जूझ रही है, भारत के करोड़ों बच्चों के सामने भविष्य का संकट खड़ा हो गया है। उनका स्वास्थ्य रक्षा कवच टूटने लगा है, टीकाकरण छूट रहा है और वे कुपोषण का भी शिकार हो रहे हैं। यह ऐसी घड़ी है, जिसमें उन्हें सबसे ज्यादा सुरक्षा और देखभाल की जरूरत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के मुताबिक दुनियाभर में करोड़ों बच्चों का टीकाकरण छूट गया है और इस तरह से वे फिर से पुरानी स्थिति में पहुंच गए हैं। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक अगर ऐसा ही रहा तो हर दिन लगभग 6,000 बच्चे असमय काल कवलित हो जाएंगे। बाल-पोषण कार्यक्रम में बहुत बड़ी बाधा आई है और इसका असर सारी दुनिया के करोड़ों गरीब बच्चों पर पड़ रहा है। भारत में टीकाकरण ठप होने से सुरक्षा की कड़ी टूट गई है। गरीब बच्चों को पोषण नहीं मिल पा रहा है। जहां बच्चों को पांच वर्ष की उम्र तक सभी तरह के टीके और पोलियो की खुराक मिल जानी चाहिए थी, वहां अब इसमें ठहराव आ गया है। कोविड के शुरू के तीन महीनों में स्वास्थ्यकर्मी और आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ता दूरदराज के क्षेत्रों में नहीं पहुंच पाए। इसका मतलब यह हुआ कि हम फिर से पीछे जाने लगे। भारत ने बच्चों के टीकाकरण में एक विश्व रिकॉर्ड बनाया था और जबसे देश में मीजल्स-रूबेला के टीके लगाए जाने शुरू किए गए यानी फरवरी, 2017 तब से कोविड की शुरुआत तक लगभग 32 करोड़ बच्चों को टीका लगाया था, जिसने बच्चों को रक्षा कवच प्रदान किया था। दुर्गम इलाकों, अशांत इलाकों और घनी बस्तियों में भी एमआर वैक्सीन लगाने के काम में दर्जनों स्वयंसेवी संगठन, डब्ल्यूएचओ, यूनिसेफ, विभिन्न सरकारों के स्वास्थ्य विभाग जुटे। एक स्वस्थ पीढ़ी तैयार होने लगी थी। लेकिन कोविड महासंकट में सारा शेड्यूल गड़बड़ हो गया और दिए गए टीके भी बेअसर हो गए क्योंकि उसके बाद के टीके नहीं लग पाए। यूनिसेफ का कहना है कि हम ऐसी स्थिति में आ पहुंचे हैं जहां से फिर हमें वापसी करनी होगी, नहीं तो सब किया-धरा चौपट हो जाएगा। इसलिए उसने डब्ल्यूएचओ और सरकार के सहयोग से फिर से यह टीकाकरण कार्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया है। इस दिशा में काम शुरू भी हुआ है लेकिन उसकी गति अभी धीमी है। वर्ष 2014 में भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण कार्यक्रम शुरू किया था ताकि हर साल लाखों बच्चों और गर्भवती माताओं की मृत्यु को रोका जा सके। इसके तहत हर साल ढाई करोड़ बच्चों को टीका लगाने का लक्ष्य रखा गया था। देश के छह लाख गांवों में से ज्यादातर लॉकडाउन का शिकार हो गए। इसे ही देखते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय और स्वयंसेवी संगठनों ने फिर से टीकाकरण का बीड़ा उठाया है। एक नए सिरे से योजना बनाई गई है और नए मापदंड तैयार किए गए हैं। अब संशोधित कार्यक्रम की घोषणा हो चुकी है और उस पर काम भी शुरू हो गया है। इस बार यह अभियान जोखिम भरा है क्योंकि स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं तथा आशा-आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को भी अपनी रक्षा करनी है। कोविड का खतरा हर जगह मंडरा रहा है। इसलिए अब महज 10-15 बच्चों का टीकाकरण एक बार में हो रहा है ताकि कहीं भीड़ न हो। इसमें एक समस्या आ रही है कि कोविड के कारण टीकाकरण का काम जो बंद हो गया था उसे फिर से और कहां से शुरू किया जाए। इसके लिए पुरानी सूची स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और सभी आशा तथा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से ली जा रही है। इन्हें ही परिवर्तित करके नई सूची बनाई जा रही है। इस समय ज्यादा ज़ोर उन इलाकों पर है जहां टीकाकरण अधूरा रह गया है ताकि वह कड़ी फिर से बन सके। टीकाकरण करने के लिए बहुत कड़े नियम बनाए गए हैं। हर कदम सैनिटाइजेशन और मास्क पर ज़ोर है। एक और बड़ी जिम्मेदारी का काम है कि टीकों का कोल्ड चेन बनाए रखना, यानी उन्हें एक खास तापमान पर रखना। निःसंदेह टीकाकरण उन करोड़ों बच्चों को एक सुरक्षा कवच प्रदान करेगा जो छूट गए हैं या फिर इस दुनिया में नए आये हैं। इसका फायदा कोविड का टीका आने के बाद बहुत ज्यादा मिलेगा क्योंकि छह वर्षों से चल रहे टीकाकरण कार्यक्रम ने नए टीके के लिए भी बहुत बड़ा इन्फ्रास्ट्रक्चर खड़ा कर दिया है। हमारे लिए एक साल में 20 करोड़ से भी ज्यादा को टीका लगाना संभव होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया हुआ कंगाल, महीनों से जमा नहीं कराया टीडीएस और पीएफ का पैसा

नई दिल्ली। एयर इंडिया के पास टीडीएस और कर्मचारियों की प्रोविडेंट फंड (ईपीएफ) जमा कराने के लिए भी पैसा नहीं हैं। सूत्रों के अनुसार कंपनी ने टीडीएस और पीएफ के भुगतान में डिफॉल्ट किया है। केंद्र सरकार पहले ही कह चुकी है कि यह तो कंपनी बिकेगी या फिर बंद होगी और कोई ऑप्शन नहीं है। सरकार भी इसे बेचने की पूरी कोशिश कर रही है लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली है। बता दें कि एयर इंडिया ने टीडीएस के भुगतान में डिफॉल्ट को लेकर इनकार किया है लेकिन पीएफ के मामले में कुछ नहीं कहा। ईटी के एक मेल के जवाब में कंपनी ने कहा, एयर इंडिया पहले ही टीडीएस जमा कर चुकी है। फॉर्म 16 के डिस्ट्रीब्यूशन की प्रक्रिया चल रही है। वहीं सरकारी अधिकारियों का कुछ और ही कहना है। क अधिकारी की मानें तो, एयर इंडिया ने साल जनवरी से टीडीएस और पीएफ का भुगतान नहीं किया है। कंपनी के पास मार्च अतं तक टीडीएस का 23 करोड़ रुपए का बकाया है। साथ ही पीएफ बकाया भी करोड़ों में है। पीएफ के मुद्दे पर एयर इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी इस बारे में कोई और टिप्पणी नहीं करना चाहती। एयर इंडिया द्धारा पीएफ और टीडीएस नहीं देने से कार्यरत और रिटायर कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं। ईटी ने 12 जुलाई को जानकारी दी थी कि सिविल एविएशन मिनिस्ट्री ने एयर इंडिया को और इक्विटी सपोर्ट देने से मना कर दिया है।

वित्त मंत्रालय की रिपोर्ट, पहली तिमाही में 101.3 लाख करोड़ रुपए हुई सरकारी देनदारियां

नई दिल्ली। सरकार की कुल देनदारियां जून 2020 के अंत तक बढ़कर 101.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई। इससे पहले मार्च 2020 अंत में यह 94.6 लाख करोड़ रुपए पर थीं। सार्वजनिक ऋण पर जारी नवीनतम रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। साल भर पहले यानी जून 2019 के अंत में सरकार का कुल कर्ज 88.18 लाख करोड़ रुपए था। सार्वजनिक ऋण प्रबंधन की शुक्रवार को जारी त्रैमासिक रिपोर्ट के अनुसार, जून 2020 के अंत में सरकार के कुल बकाए में सार्वजनिक ऋण का हिस्सा 91.1 प्रतिशत था। रिपोर्ट में यह कहा गया कि बकाया दिनांकित प्रतिभूतियों के लगभग 28.6 प्रतिशत की परिपक्वता की शेष अवधि पांच साल से कम समय रह गई है। आलोच्य अवधि तक इसमें वाणिज्यिक बैंकों की हिस्सेदारी 39 प्रतिशत और बीमा कंपनियों की हिस्सेदारी 26.2 प्रतिशत थी। केंद्र सरकार ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान 3,46,000 करोड़ रुपए की दिनांकित प्रतिभूतियां जारी कीं, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में 2,21,000 करोड़ रुपए की प्रतिभूतियां जारी की गई थी।

दूरसंचार कंपनियों पर ट्राई ने कसी नकेल, कहा- ग्राहकों को दें मोबाइल टैरिफ की साफ-साफ जानकारी

बिजनेस डेस्क। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने दूरसंचार कंपनियों के लिए टैरिफ प्लान के विज्ञापन और प्रकाशन से जुड़े नए दिशानिर्देश शुक्रवार को जारी किए। इसका मकसद उपभोक्ताओं के लिए मोबाइल प्लानों को लेकर पारदर्शिता लाना और उन्हें सोच-समझकर निर्णय लेने में मदद करना है। ट्राई ने अपने दिशानिर्देशों में कहा, ''यह देखा गया है कि दूरसंचार कंपनियों की मौजूदा प्रक्रियाएं उतनी पारदर्शी नहीं है, जितना उन्हें होना चाहिए। कुछ कंपनियां प्राय~ अतिरिक्त नियम और शर्तों का प्रकाशन नहीं करती हैं। साथ ही कई बार विभिन्न प्लान के लिए एक ही वेब पेज पर सारे नियम शर्तें लिख देती हैं। ऐसे में यह जानकारी समझने में या तो ग्राहक सक्षम नहीं होते या जानकारियां कहीं खो जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया की नियामकीय अनिवार्यताओं में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए ट्राई ने कहा प्लान की पूरी जानकारी, किसी ऑफर की संपूर्ण जानकारी ग्राहकों, ग्राहक देखभाल केंद्रों, बिक्री केंद्रों, खुदरा केंद्रों, वेबसाइटों और ऐप पर देनी होगी।

टिकटॉक वीचैट पर अमेरिकी प्रतिबंध के खिलाफ चीन की जवाबी कार्रवााई की चेतावनी

बीजिंग।

चीन ने वीचैट और टिकटॉक ऐप की डाउनलोडिंग को रोकने के अमेरिका के कदम का पुरजोर विरोध किया है। उसने चीन की कंपनियों के हितों की रक्षा के लिए जवाबी कदम उठाने की चेतावनी भी दी। अमेरिका ने लोकप्रिय चीनी सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक और वीचैट को राष्ट्रीय सुरक्षा के मद्देनजर प्रतिबंधित करने का शुक्रवार को आदेश जारी किया। इसके कुछ हफ्ते पहले भारत ने भी देश की संप्रभुता, अखंडता और सुरक्षा के लिए चीन के कई ऐप पर रोक लगा दी थी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 15 सितंबर तक टिकटॉक और वीचैट का मालिकाना हक किसी अमेरिकी कंपनी के पास नहीं आ जाने की स्थिति में इन्हें प्रतिबंधित करने के आदेश पर पिछले महीने हस्ताक्षर किया था। चीन से वाणिज्य मंत्रालय ने टिकटॉक और वीचैट पर प्रतिबंध लगाने के ट्रम्प सरकार के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए शनिवार को कहा कि चीन अमेरिका के इस कदम का पुरजोर विरोध करता है। अमेरिका ने किसी भी साक्ष्य के अभाव में बार-बार गैर-कानूनी कारणों से दो उद्यमों को दबाने के लिए सरकार की शक्ति का उपयोग किया है, जिसने उनकी सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों को गंभीर रूप से बाधित किया है। इस कदम ने अमेरिकी निवेश के माहौल में अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के विश्वास को कम कर दिया है और सामान्य वैश्विक आर्थिक व व्यापार गतिविधियों को नुकसान पहुंचाया है। मंत्रालय ने कहा कि चीन अपनी कंपनियों के हितों की रक्षा के लिये जवाबी कदम उठाने की तैयारी में है।

हालांकि मंत्रालय ने इस बारे में विस्तार से कुछ भी नहीं बताया कि चीन किस तरह के कदम उठाने की तैयारी में है। भारत ने 29 जून को टिकटॉक और वीचैट के साथ चीन के 59 ऐप पर रोक लगाने की घोषणा की थी। बाद में भारत ने ऐसे ऐप का दायरा बढ़ा दिया और अभी चीन के 224 ऐप पर भारत में रोक है।

30 फीसदी तक सस्ती हो जाएंगी नई कारें, सरकार लागू करेगी यह खास पॉलिसी

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से लटकी स्क्रैपेज पॉलिसी जल्द लागू होने वाली है। केंद्रीय राज यमंत्री जनरल वीके सिंह ने संसद में एक सवाल के जवाब में बताया कि पुराने वाहनों को हटाने के लिए नई पॉलिसी का कैबिनेट नोट तैयार हो गया है। स्क्रैपेज पॉलिसी के लागू होने से गिरावट का सामना कर रही देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। ग्राहकों को अब नए वाहन 30 फीसदी तक सस्ते मिलेंगे। नई गाड़ियों की मांग बढ़ने से ऑटोमोबाइल सेक्टर में तेजी आएगी। स्क्रैप सेंटरों पर बड़े पैमाने पर रोजगार उपलब्ध होंगे। पुरानी कार को स्क्रैपेज सेंटर को बेचने के बाद ग्राहक को एक प्रमाण पत्र मिलेगा। इसे दिखाने के बाद नई कार खरीदने वालों का कार जिस्ट्रेशन मुफ्त में किया जाएगा। सूत्रों की मानें तो इस फैसले के बाद करीब 2.80 करोड़ वाहन स्क्रैपेज पॉलिसी के अंतर्गत आएंगे। पॉलिसी के आने के बाद देश में बड़े पैमाने पर वाहन कबाड़ केंद्र बनाए जाएंगे, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार के साधन पैदा होंगे। स्क्रैपेज पॉलिसी को जल्द कैबिनेट के पास भेजा जाएगा। कोरोना काल के समय में स्क्रैपेज पॉलिसी अर्थव्यवस्था में तेजी लाने का काम करेगी।

ईडी ने कर्नाटक सहकारी बैंक की 45 करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क की

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कर्नाटक में एक सहकारी बैंक की धोखाधड़ी के संबंध में मनी लौड्रिंग रोकथाम कानून के तहत 45 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क की है। ईडी ने शुक्रवार को इसकी जानकारी देते हुए कहा कि उसने मनी लौड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत बैंक की 7.16 करोड़ रुपये की चल संपत्तियों समेत अन्य संपत्तियों को कुर्क करने का प्राथमिक आदेश जारी किया था। ये चल संपत्तियां बैंक बैलेंस और फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में थीं। ये संपत्तियां श्री गुरू राघवेंद्र सहकारी बैंक नियमित और श्री गुरू सार्वभौम क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के मौजूदा मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), पूर्व सीईओ, अध्यक्ष, पूर्व उपाध्यक्ष तथा उनके सहयोगियों की थीं। इनके अलावा कृषि भूमि, आवासीय अपार्टमेंट और घरों के रूप में 38.16 करोड़ रुपये की 29 अचल संपत्तियां कुर्क की गयीं। ये संपत्तियां के. रामकृष्ण, दिवंगत टीएस सत्यनारायण, दिवंगत एमवी मैया, संतोष कमार ए और श्री गुरू राघवेंद्र सहकारा बैंक नियमित तथा श्री गुरू सार्वभौम क्रेडिट को-ऑपरेटिव लिमिटेड के कुछ कर्मचारियों के नाम से हैं। ये सभी बेंगलुरू अथवा कर्नाटक के अन्य हिस्सों के रहने वाले हैं। ईडी ने कहा कि कुर्क की गयी संपत्तियों का कुल मूल्य 45.32 करोड़ रुपये है।

डिफेंस कैंटीन में केवल मेड इन इंडिया सामान बेचने पर अभी कोई निर्णय नहीं: रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली।

मानसून सत्र के दौरान राज्यसभा में रक्षा मंत्रालय ने बताया कि डिफेंस कैंटीन में केवल मेड इन इंडिया सामान बेचने पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मई महीने में कहा थाकि केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और सीमा सुरक्षा बल जैसी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की सभी कैंटीनों पर अब एक जून से केवल स्वदेशी सामान ही बिकेगा। बता दें कि शाह ने इस दौरान कहा थाकि सीएपीएफ के लगभग 10 लाख जवानों के परिवार के 50 लाख सदस्यों के लिए केवल स्वदेशी सामानों की बिक्री की जाएगी। इस संबंध में शाह ने ट्वीटर पर कई ट्वीट कर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश को आत्मनिर्भर बनाने और भारत में बने उत्पाद उपयोग करने की अपील की, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है।

शाह ने कहा कि, गृह मंत्रालय ने यह निर्णय लिया है कि सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की कैंटीनों पर अब सिर्फ स्वदेशी उत्पादों की ही बिक्री होगी। यह फैसला एक जून 2020 को देशभर की सभी सीएपीएफ कैंटीनों पर लागू होगा। जिसके बाद 10 लाख सीएपीएफ कर्मचारियों के 50 लाख परिवार केवल स्वदेशी सामानों का इस्तेमाल करेंगे। सीएपीएफ में सीआरपीएफ, बीएसएफ, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, एनएसजी और असम रायफल्स आते हैं और इनकी कैंटीनों में सालाना 2,800 करोड़ रुपए मूल्य के उत्पादों की बिक्री होती है। डिफेंस में आत्मनिर्भरता बढ़ाने को लेकर सरकार ने कहा था कि डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में स्वचालित प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की लिमिट को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत कर दिया जाएगा। अब स्नष्ठढ्ढ रूट लिमिट को बढ़ा दिया जाएगा और टाइम बॉन्ड डिफरेंस प्रफोर्मेंस प्रोसेस हमारा हो उसके लिए त्वरित फैसले रक्षा उत्पादन क्षेत्र में 1849 करोड़ रुपये स्वचालित उत्पादन के माध्यम से प्राप्त होती है।

आयकर की आठ और प्रक्रियाओं के लिए फेसलेस आकलन प्रक्रिया शुरू होगी

नई दिल्ली। सरकार का आयकर कानून के तहत सभी प्रक्रियाओं के लिए फेसलेस आकलन शुरू करने का प्रस्ताव है। इसमें कर संग्रह, वसूली और जानकारी एकत्र करना इत्यादि शामिल है।फेसलेस प्रक्रिया में किसी भी क्षेत्र के करदाता का कर आकलन देशभर के किसी भी आयकर कार्यालय में किया जाता है। उदाहरण के लिए चेन्नई के करदाता का कर आकलन सूरत के आयकर कार्यालय में हो सकता है और सूरत के करदाता का कर आकलन गुवाहाटी में किया जा सकता है। मौजूदा वक्त में कर आकलन इस प्रक्रिया के तहत शुरू हुआ है और 25 सितंबर से अपील के मामले भी इसी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ेंगे। सरकार ने शुक्रवार को लोकसभा में कराधान और अन्य कानून (कुछ प्रावधानों में छूट एवं संशोधन) विधेयक-2020 पेश किया। इसमें आयकर कानून के तहत आने वाली कम से कम आठ प्रक्रियाओं के लिए फेसलेस (फेसलैस) आकलन का प्रस्ताव किया गया है। इस विधेयक में आय छिपाने, परिशोधन, संशोधन, नोटिस जारी करने इत्यादि के लिए फेसलैस आकलन का प्रस्ताव किया गया है। इसके अलावा कर संग्रह, कर वूसली, अनुमति या पंजीकरण इसके अलावा कर संग्रह, कर वूसली, अनुमति या पंजीकरण और आदेश के प्रभाव का आकलन भी फेसलेस तरीके से करने को कहा गया है।

क्रेडिट और डेबिट कार्ड को लेकर आरबीआई के नए नियम कब से होंगे लागू

बिजनेस डेस्क।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डेबिट और क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बड़ा बदलाव किया है। यह नियम 30 सितंबर से लागू होंगे। अगर आप डेबिट और क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो उसमें आने वाली परेशानी से बचने के लिए इन बदलावों के बारे में जानना जरूरी है। ये नियम बहुत पहले लागू होना था लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप के चलते इन नियमों को टाल दिया गया। अब इसकी डेडलाइन 30 सितंबर तय कर दी गई है। अब आपको इंटरनेशनल ट्रांजैक्शन, डोमेस्टिक ट्रांजैक्शन, ऑनलाइन ट्रांजैक्शन, कॉन्टैक्टलेस कार्ड से ट्रांजैक्शन के लिए आपको अपनी प्रायोरिटी (प्राथमिकता) दर्ज करनी होगी। कहने का मतलब ये हुआ कि आपको जो सर्विस चाहिए, उसके लिए आपको अप्लाई करना होगा। ने बैंकों से कहा है कि डेबिट और क्रेडिट कार्ड जारी करते वक्त अब ग्राहकों को घरेलू ट्रांजैक्शन की अनुमति देनी चाहिए। इसका मतलब ये हुआ कि अगर जरूरत नहीं है तो मशीन से पैसे निकालते और टर्मिनल पर शॉपिंग के लिए विदेशी ट्रांजैक्शन की मंजूरी नहीं दी जाए। ग्राहकों को यह सुविधा मुहैया कराई जाए कि वो कभी भी अपने कार्ड पर विदेशी ट्रांजैक्शन की सुविधा ले सकते हैं। अपने कार्ड पर कोई भी सर्विस एक्टिवेट करने या हटाने का अधिकार भी ग्राहक को दिया जाए। यानी ग्राहकों को कौन सी सर्विस एक्टीवेट करनी है और कौन सी सर्विस डीएक्टीवेट करनी है इसका फैसला खुद करें। नए नियमों के बाद ग्राहक दिन में किसी भी वक्त अपने ट्रांजैक्शन की लिमिट को बदल सकते हैं। अब आप मोबाइल ऐप, इंटरनेट बैंकिंग, मशीन या के जरिए कभी भी अपने कार्ड की लिमिट बदलाव कर सकते हैं। डेबिट और क्रेडिट कार्ड से किए गए खर्च को लेकर आरबीआई द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, इस साल देश में जून के महीने में लोगों ने 42,818 करोड़ रुपए की खरीदारी क्रेडिट कार्ड के जरिए की, जबकि इस साल जनवरी में क्रेडिट कार्ड से 67,000 करोड़ रुपए की शॉपिंग हुई थी। अगर ट्रांजैक्शन के हिसाब से देखें, तो जून के महीने में 12.5 करोड़ बार लेन-देन के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल हुआ, जबकि कोरोना और लॉकडाउन के पहले जनवरी के महीने में 20.3 करोड़ बार क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया गया। वही, अगर डेबिट कार्ड की बात करें तो जनवरी के महीने में 45.8 करोड़ बार डेबिट कार्ड का इस्तेमाल किया गया । आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक, देश में प्रत्येक 15 डेबिट कार्ड पर एक क्रेडिट कार्ड है।

कृषि विधेयक को लेकर नीति आयोग ने कहा, किसानों को बनाएंगे सशक्त

नई दिल्ली। नीति आयोग के उपाध्यक्ष राजीव कुमार ने लोकसभा में कृषि क्षेत्र से संबंधित दो विधेयकों के पारित होने का बृहस्पतिवार को स्वागत करते हुए कहा कि ये किसानों को सशक्त बनायेंगे और कृषि के भविष्य पर इनका व्यापक प्रभाव पड़ेगा। मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) और रिवॉल्यूशनरी पार्टी के सांसदों के सदन से बाहर चले जाने के बाद भी कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) विधेयक और मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) अनुबंध विधेयक लोकसभा में ध्वनिमत से पारित हो गया है। कुमार ने एक के बाद एक ट्वीट करते हुए कहा, 'लोकसभा में कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) विधेयक 2020 और मूल्य आश्वासन एवं कृषि सेवाओं पर कृषक (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) अनुबंध विधेयक 2020 पारित हुआ। यह एक ऐतिहासिक दिन है।' उन्होंने कहा कि ये कानून न केवल किसानों को सशक्त बनायेंगे बल्कि ये किसानों और व्यापारियों के लिये एक समान व मुक्त पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करेंगे, जिससे अनुकूल प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा मिलेगा और व्यापार पारदर्शिता में सुधार होगा।

भारत की ईंधन मांग 2020 में 11.5 प्रतिशत घटेगी: फिच सॉल्यूशंस

नई दिल्ली।

फिच सॉल्यूशंस का अनुमान है कि 2020 में भारत की ईंधन की मांग 11.5 प्रतिशत घटेगी। देश का आर्थिक परिदृश्य और कमजोर होने के बीच फिच सॉल्यूशंस ने ईंधन की मांग में गिरावट के अपने अनुमान को बढ़ा दिया है। फिच सॉल्यूशंस के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2020-21 में भारत के वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 8.6 प्रतिशत की गिरावट आएगी। पहले उसने अर्थव्यवस्था में 4.5 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। फिच सॉल्यूशंस की ओर से शनिवार को जारी नोट में कहा गया, ''ईंधन की मांग व्यापक रूप से प्रभावित हुई है। उपभोक्ता के साथ औद्योगिक ईंधन दोनों की मांग में बड़ी गिरावट आई है। पहले फिच सॉल्यूशंस ने 2020 में ईंधन की मांग में 9.4 प्रतिशत की गिरावट का अनुमान लगाया था। फिच सॉल्यूशंस का अनुमान है कि 2021 और 2022 में भारतीय अर्थव्यवस्था पांच प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करेगी। उसने कहा कि उस समय महामारी नियंत्रण में होगी और आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने से अर्थव्यवस्था वृद्धि दर्ज करेगी। चालू वित्त वर्ष की पहली अप्रैल-जून की तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई है। नोट में कहा गया कि कोविड-19 का प्रसार थमता नहीं दिख रहा। प्रतिदिन संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। फिच सॉल्यूशंस ने कहा कि बेरोजगारी की ऊंची दर तथा कोरोना वायरस की वजह से लोगों की आय घटने की वजह से उपभोक्ता खर्च प्रभावित हुआ है।

कोरोना महामारी के दौरान अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना बढ़ी, एलेन मस्क की कमाई में 274 फीसदी उछाल

बिजनेस डेस्क।

पूरी दुनिया कोरोना महामारी में आर्थिक मंदी से जूझ रही है। पूरे देश की बड़ी-बड़ी अर्थव्यवस्थाएं कोरोना संकट से घिरी हुई हैं। वहीं, ऐसे में अरबपतियों ने खूब कमाई की है। एक रिपोर्ट की मानें तो महामारी के छह महीने बाद ही अमेरिका के 643 अरबपतियों की संपत्ति तीन गुना बढ़ गई है। अमेरिका के प्रोग्रेसिव थिंकटैंक 'द इंस्टीट्यूट फॉर पॉलिसी स्टडीज' ने अपनी रिपोर्ट में खुलासा किया है। बता दें कि अमेरिका में 13 मार्च से लॉकडाउन लगाया गया था। वहीं दूसरे देशों ने भी राष्ट्रीय स्तर पर तालाबंदी लागू कर दी थी। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि इस अवधि से लेकर 15 सितंबर के बीच 643 अरबपतियों की कुल संपत्ति में 29 प्रतिशत का उछाल आया है। उनकी संपत्ति 2.95 खरब डॉलर से बढ़कर 3.8 खरब डॉलर हो गई। अध्ययनकर्ताओं ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए फोर्ब्स द्वारा जारी होने वाले अरबपतियों से जुड़े वार्षिक डाटा की सहायता ली। कंपनी टेस्ला के संस्थापक व सीईओ एलन मस्क की कमाई 273 फीसदी यानी 64.4 अरब डॉलर बढ़कर 92 अरब डॉलर हो गई। जबकि उनकी कंपनी ने महामारी के छह माह और उससे पहले के छह माह को मिलाकर सालभर में 800 प्रतिशत की कमाई की है। दुनिया के सबसे बड़े ऑनलाइन रिलेटर अमेजन और इसके संस्थापक ने कोरोना महामारी में सबसे ज्यादा कमाई की। कंपनी के शेयरों में 40त्न की वृद्धि हुई और जैफ बेजॉस की संपत्ति 73.2 अरब डॉलर से बढ़कर 113 अरब डॉलर हो गई। तालाबंदी में ऑनलाइन ग्रॉसरी से लेकर दूसरे सामानों की बिक्री बढ़ने से यह वृद्धि हुई। फेसबुक के संस्थापक जुकरबर्ग सबसे ज्यादा कमाई करने वालों में दूसरे पायेदान पर हैं, उनकी संपत्ति 54.7 अरब डॉलर से बढ़कर 95.5 अरब डॉलर हो गई। यह वृद्धि 18 मार्च से 13 अगस्त के बीच हुई है। अमेरिकी सरकार ने तालाबंदी से हुए नुकसान की भरपायी के लिए उद्योग जगत को राहत पैकेज दिया, जिससे वे कंपनियां भी आर्थिक संकट से उबर गईं जो लंबे वक्त से तंगी झेल रही थीं। अरबपतियों से भुखमरी खत्म करने में मदद करने की अपील की है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि दुनिया में 2000 से अधिक अरबपतियों की कुल संपत्ति आठ अरब डॉलर से अधिक है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईबीसी को लेकर कही बड़ी बात, राज्यसभा में पास हुआ यह विधेयक

नई दिल्ली।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) का मकसद कंपनियों को चलताहाल बनाए रखना है, उनका परिसमापन करना नहीं है उन्होंने कहा कि आईबीसी अच्छा काम कर रही है और अपने मकसद को पूरा करने में सफल रही है। सीतारमण ने शनिवार को राज्यसभा में दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2020 पर चर्चा का जवाब देते हुए यह बात कही। राज्यसभा में यह विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। यह विधेयक इस बारे में जून में लाए गए अध्यादेश का स्थान लेगा। इस विधेयक के तहत प्रावधान है कि कोरोना वायरस की वजह से 25 मार्च से छह महीने तक कोई नई दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) कार्रवाई शुरू नहीं की जाएगी। वित्त मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण पैदा हुई अभूतपूर्व स्थिति के कारण इस बारे में अध्यादेश लाया गया था। देश में कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए 25 मार्च को ही लॉकडाउन लगाया गया था। विधेयक पर चर्चा का जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि आईबीसी की 'मंशा कंपनियों को 'चलताहाल बनाए रखना है, उनका परिसमापन करना कतई नहीं है। वित्त मंत्री ने कहा कि महामारी के कारण बनी स्थिति की वजह से समय की मांग थी कि तत्काल कदम उठाए जाएं और उसके लिए अध्यादेश का तरीका चुना गया। वित्त मंत्री ने कहा कि अध्यादेश को कानून बनाने के लिए सरकार अगले ही सत्र में विधेयक लेकर आ गई। उनके जवाब के बाद सदन ने विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया। इसके साथ ही सदन ने माकपा सदस्य के के रागेश द्वारा पेश उस संकल्प को नामंजूर कर दिया जिसमें दिवाला और ऋणशोधन अक्षमता संहिता (संशोधन) अध्यादेश, 2020 को अस्वीकार करने का प्रस्ताव किया गया था।

कोविड-19 महामारी के कारण लागू किए गए लॉकडाउन के संदर्भ में सीतारमण ने कहा कि उस समय आजीविका से ज्यादा जरूरी जान की हिफाजत करना था। उन्होंने कहा कि इसका असर लोगों के साथ ही अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा लेकिन आम लोगों की जान बचाना ज्यादा महत्वपूर्ण था। उन्होंने हालांकि कहा कि लोगों को हुई परेशानी का संज्ञान लिया गया और सरकार ने कई कदम उठाए। इससे पहले राज्यसभा में कांग्रेस ने सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि कोविड-19 के मद्देनजर उठाए गए कदमों से सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) की स्थिति खराब हो जाएगी और छोटे कारोबारियों पर भार बढ़ जाएगा। कांग्रेस सदस्य विवेक तन्खा ने उच्च सदन में कहा कि कोविड-19 को लेकर सरकार ने कई फैसले किए लेकिन उनमें से कुछ पर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

उत्तर बंगाल चाय बागान के कामगारों को मिलेगा 20प्रतिशत बोनस

कोलकाता।

भारतीय चाय संघ (आईटीए) के एक अधिकारी ने कहा कि उत्तर बंगाल के 168 चाय बागानों के कामगारों को पिछले वित्त वर्ष के लिए 20 प्रतिशत बोनस मिलेगा। इससे पहले उन्हें 2018-19 में 18.5 प्रतिशत की दर से बोनस दिया गया था। भारतीय चाय संघ के महासचिव अरिजीत राहा ने कहा कि उत्तर बंगाल के चाय बागान के कामगारों को 20 प्रतिशत बोनस देने का निर्णय शुक्रवार की रात लिया गया। हालांकि, दार्जिलिंग चाय उद्योग के कामगारों का बोनस भुगतान अभी तय नहीं हुआ है। राहा ने कहा कि चाय बागान के प्रतिनिधियों ने चाय उद्योग की ट्रेड यूनियनों के साथ एक आभासी बैठक की, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि सात अक्टूबर 2020 तक बोनस भुगतान करना होगा और ट्रेड यूनियनें अब किसी अन्य लंबित मुद्दे पर आंदोलन नहीं करने पर सहमत हुए हैं। चालू कैलेंडर वर्ष में फसल कम होने के कारण नीलामी में उत्तरी बंगाल और

दार्जिलिंग दोनों के चाय की कीमतें चढ़ गई हैं।

युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के लिए निर्णायक होगा आईपीएल 13

दुबई । भारतीय क्रिकेट टीम के सबसे सफल विकेटकीपर बल्लेबाज महेन्द्र सिंह धोनी के पिछले महीने संन्यास लेने की घोषणा के बाद अब उनके विकल्प के तौर पर सभी नजरें युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत पर टिक गई हैं। भारतीय कप्तान विराट कोहली, सीमित ओवरों के उपकप्तान रोहित शर्मा और पंत की आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने पंत का लगातार समर्थन किया है लेकिन पिछले एक वर्ष के अंतरराष्ट्रीय आंकड़े पंत का समर्थन नहीं कर पा रहे हैं। इंग्लैंड में पिछले वर्ष हुए एकदिवसीय विश्व कप के बाद से पंत ने 11 टी-20 पारियों में मात्र एक अर्धशतक बनाया है और वह अपनी प्रतिभा के साथ पूरी तरह न्याय नहीं कर पाए हैं। पंत ने 16 वनडे के अपने करियर में मात्र एक अर्धशतक बनाया है। पंत विस्फोटक बल्लेबाज है और उनमें मैच का रुख बदलने की क्षमता है लेकिन निर्णायक मौकों पर विकेट गंवाने की कमजोरी उनके आड़े आ रही है। ऐसे में आईपीएल का 13वां सीजन दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज पंत के करियर के लिए निर्णायक साबित हो सकता है। दिल्ली के पंत के लिए आईपीएल हालांकि अच्छा मंच रहा है जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन किया है।

अमेरिकन चैम्पियन

अमेरिका के वेसली सो बने चैम्पियन ऑफ शो डाउन सेंट लुईस रैपिड के विजेता

सेंट लुईस ,यूएसए ।

सेंट लुईस रैपिड शतरंज मे अंतिम राउंड के नाटकीय घटनाक्रम मे अमेरिका के वेसली सो अचानक से विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पीछे छोड़ते हुए खिताब जीत लिया ।तीसरे दिन सातवे राउंड मे मेगनस कार्लसन नें 9 अंको के साथ शुरुआत की और फीडे के अलीरेजा फिरौजा को हराकर खिताब की ओर कदम बढ़ा दिये पर इसके बाद पहले अमेरिका के जेफ्री जियांग नें उन्हे ड्रॉ पर रोका तो आखिरी राउंड मे रूस के अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक से सिसिलियन ओपेनिंग मे खतरा उठाना उन्हे भारी पड़ा गया और अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक नें कार्लसन को हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया साथ ही इस हार से कार्लसन 12 अंको पर ही रुक गए । वही वेसली सो नें रूस के नेपोंनियची से ड्रॉ खेला पर उसके बाद पहले अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन और फिर भारत के पेंटाला हरिकृष्णा को मात देते दिन मे कुल 5 अंक बनाकर कुल 13 अंको के साथ विजेता बन गए ।

भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें दिन की शुरुआत जेफ्री जियांग को बेहतरीन एंडगेम मे मात देकर की और दूसरे राउंड मे अमेरिका के हिकारु नाकामुरा से ड्रॉ खेलकर अच्छी शुरुआत की पर आखिरी राउंड मे वेसली सो से उन्हे हार का सामना करना पड़ा । रैपिड टूर्नामेंट की अंतिम स्थिति कुछ यूं रही । अमेरिका के वेसली सो 13 अंको के साथ पहले ,नॉर्वे के मेगनस कार्लसन 12 अंको के साथ दूसरे , 10 अंक के साथ रूस के इयान नेपोंनियची और अलेक्ज़ेंडर ग्रीसचुक सयुंक्त तीसरे , 9 अंको के साथ भारत के पेंटाला हरिकृष्णा ,अमेरिका के हिकारु नाकामुरा ,अर्मेनिया के लेवोन अरोनियन सयुंक्त चौंथे स्थान पर रहे , अमेरिका के जेफ्री जियांग 7 अंक तो दोमिंगेज पेरेज 6 अंक अंक तो दोमिंगेज पेरेज 6 अंक तो अलीरेजा 5 अंक बना सके।

इटालियन टेनिस टूर्नामेंट : हालेप पांचवीं बार सेमीफाइनल में पहुंची

रोम ।

शीर्ष वरीयता प्राप्त रोमानिया की सिमोना हालेप ने अपनी प्रतिद्वंद्वी यूलिया पुतिनसेवा के पीठ की चोट के कारण शनिवार को रिटायर हो जाने से पांचवीं बार इटालियन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। विम्बलडन चैंपियन हालेप क्वार्टरफाइनल मुकाबले में 47 मिनट में 6-2, 2-0 से आगे हो चुकी थीं कि तभी पुतिनसेवा ने पीठ के निचले हिस्से में दर्द के कारण मैच छोड़ने का फैसला किया। हालेप यहां 2013 और 2015 में सेमीफाइनल में पहुंची थीं जबकि 2017 और 2018 में वह उपविजेता रही थीं। तीसरी बार फाइनल में पहुंचने के लिए हालेप का मुकाबला नौंवीं सीड स्पेन की गरबाइन मुगुरुजा और यूएस ओपन की उपविजेता बेलारूस विक्टोरिया अजारेंका से होगा।

इससे पहले हालेप ने यूक्रेन की डायाना यास्ट्रेमस्का को 7-5, 6-4 से हराया। पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका ने अंतिम आठ में आसानी से प्रवेश कर लिया। उनकी प्रतिद्वंद्वी रूस की दारिया कसात्किना पहले सेट में 6-6 के स्कोर पर रिटायर हो गईं। मुगुरुजा ने ब्रिटेन की जोहाना कोंटा को 6-4, 6-1 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। दूसरी वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिस्कोवा ने रूस की अन्ना ब्लिन्कोवा को 6-4, 6-3 से हराकर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश कर लिया है।

स्पिन हो या पेस बराबर मारते हैं रिषभ पंत, देखें हैरान करने वाले रिकॉर्ड

जालन्धर । दिल्ली कैपिटल्स के स्टार बल्लेबाज रिषभ पंत पर एक बार फिर से नजरें जम गई हैं। 54 मैचों में 36 की औसत से 1736 रन बनाने वाले पंत पेसर हो या स्पिनर सबके खिलाफ लगभग बराबर की स्ट्राइक रेट रखते हैं। आंकड़ों के अनुसार- पंत की स्पिनरों के खिलाफ 199 तो पेसरों के खिलाफ 197 की स्ट्राइक रेट है। खास बात यह है कि इस लिस्ट में और कोई भी बल्लेबाज इतना संतुलित नजर नहीं आता। आंद्रे रसेल पेसरों के खिलाफ सबसे ज्यादा 235 की स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं जबकि स्पिनरों के खिलाफ उनका यह आंकड़ा 160 के पास हैं। आंद्रे रसेल - 235 बनाम पेसजोस बटलर : 211 बनाम पेसमिशेल मार्श : 210 बनाम स्पिन डेविड वार्नर : 210 बनाम स्पिन मैथ्यू हेडन : 209 बनाम पेस डी-विलियर्स : 209 बनाम पेस क्रिस गेल : 202 बनाम स्पिन सुरेश रैना : 199 बनाम मीडियम पेसर रिषभ पंत : 199 बनाम स्पिन रिषभ पंत : 197 बनाम पेस तो चलिए पंत की एक बार खास बात बताते हैं- पंत डैथ ओवरों में और भी खतरनाक हो जाते हैं। पंत ने इस दौरान 122 गेंदें खेलकर 249 का स्ट्राइक रेट बनाए रखा। वहीं, विराट कोहली इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। कोहली डैथ ओवरों की 351 गेंदें खेल चुके हैं और 240 की स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। बेयरस्टो 7-15 की ओवर में सबसे खतरनाक हो जाते हैं। इस दौरान उन्होंने 143 गेंदें खेलकर 18 चौके और 11 छक्के लगाए हैं। उनकी औसत 56 तो स्ट्राइक रेट 158 हो जाती है जो आईपीएल के 12 साल के इतिहास में अन्य क्रिकेटरों से ज्यादा है। जहां एक तरफ आंद्रे रसेल गेंदबाजों के लिए सबसे कठिन बल्लेबाज हैं तो वहीं बल्लेबाजों के लिए मलिंगा ने बतौर गेंदबाज यह जगह ली है। मुंबई की टीम को जब भी 150 से कम रन का लक्ष्य मिला उनके लिए ।

किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ दिल्ली कैपिटल्स का पलड़ा भारी,बड़ा कारण

दुबई ।

रविचंद्रन अश्विन, अमित मिश्रा और अक्षर पटेल जैसे अनुभवी स्पिनरों की मौजूदगी के कारण दिल्ली कैपिटल्स का रविवार को खेले जाने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मुकाबले में किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीमों का यह सत्र का पहला मुकाबला होगा जहां उनके कप्तानों के बीच भी शानदार प्रतिद्वंद्विता देखने को मिल सकती है। किंग्स इलेवन के कप्तान लोकेश राहुल और दिल्ली कैपिटल्स के श्रेयस अय्यर को भविष्य के भारतीय कप्तान के तौर पर देखा जा रहा है। यही नहीं दोनों टीमों के कोच विश्व स्तरीय खिलाड़ी रहे है और ऐसे में उनकी रणनीति को देखना दिलचस्प होगा। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी अनिल कुंबले से प्रेरणा लेना चाहेंगे तो वही दिल्ली कैपिटल्स के खिलाड़ी रिकी पोंटिंग की योजनाओं को मैदान पर उतारने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। दोनों टीमों में बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ियों को कमी नहीं है लेकिन यूएई की धीमी पिचों पर अश्विन, मिश्रा और अक्षर की तिकड़ी पंजाब की टीम पर भारी पड़ सकती है। यह मुकाबला दुबई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। बल्लेबाजी के मोर्चे पर दिल्ली कैपिटल्स में भारतीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। जिसमें पृथ्वी साव, अय्यर, ऋषभ पंत, शिखर धवन के अलावा वेस्टइंडीज के शिमरोन हेटमेयर शामिल हैं। इस परिदृश्य में भारतीय टेस्ट उप-कप्तान अजिंक्य रहाणे (120 से कम की स्ट्राइक रेट) को शायद मौका नहीं मिले। टीम ने उन्हें राजथान रॉयल्स से खरीदा गया था। किंग्स इलेवन के पास क्रिस गेल, ग्लेन मैक्सवेल और खुद राहुल जैसे बड़े शॉट लगाने वाले खिलाड़ी है। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में 108 रन की पारी खेल कर टीम को जीत दिलाने वाले मैक्सवेल का आत्मविश्वास काफी ऊंचा होगा। उन्होंने 2014 में जब इस टूर्नामेंट के कुछ मैच यूएई में खेले गये थे तब शानदार प्रदर्शन किया था। मैक्सवेल ने उस सत्र में 16 मैचों में 552 रन बनाये थे। किंग्ल इलेवन के पास गेल और राहुल के रूप में खतरनाक सलामी जोड़ी है, जिसके बाद मयंक अग्रवाल का नंबर आता है। दिल्ली कैपिटल्स की टीम कागिसो रबाडा के साथ बिग बैश लीग में सबसे अधिक विकेट लेने वाले डैनियल सैम्स को अंतिम 11 में शामिल कर सकती है जिससे ईशांत शर्मा को बाहर बैठना पड़ सकता है। किंग्स इलेवन पंजाब के लिए मोहम्मद शमी तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी अफगानिस्तान के मुजीब जदरान पर होगी।

अश्विन पिछले सत्र में हुए 'मांकेडिंग विवाद को पीछे छोड़कार मिश्रा के साथ शानदार जोड़ी बनाना चाहेंगे। मिश्रा के नाम आईपीएल में 157 विकेट है और वह सबसे अधिक विकेट चटकाने वालों की सूची में दूसरे स्थान पर है।

संक्षिप्त समाचार

हॉकी ने हमें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाया : रानी रामपाल

बेंगलुरु । भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान रानी रामपाल ने हॉकी खेलने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा है कि हॉकी ने उन्हें और टीम की अन्य खिलाडियों को बेहद कम आयु में आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाया है और अब वे अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखने के लिए बेहतर स्थिति में हैं। रानी ने कहा- मेरे ख्याल से आज से 10-15 साल पहले जब कोई कहता था कि वह हॉकी का अपना करियर बनाना चाहते है तो लोग या तो हंसते थे या कहते थे कि वह किस तरह से अपनी आजीविका चलाएंगे लेकिन अब स्थिति में बहुत बड़ा बदलाव आ चुका हैं। देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार राजीव गांधी खेल रत्न से सम्मानित खिलाड़ी ने कहा- हॉकी इंडिया अब लगातार राष्ट्रीय चैंम्पियनशिप का आयोजन करता है जिससे हॉकी खेलने की चाह रखने वाले खिलाडियों को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलता है और शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन से खिलाडियों को नौकरी मिलने और राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने के अवसर भी मिलते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय के दौरान महिला टीम ने कई टूर्नामेंट जीते हैं और एशियाई खेलों में टीम ने रजत पदक भी जीता था। टीम ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है जिसके उन्हें समय के साथ इनाम भी मिला है।

मैच से पहले सीएसके के कोच फ्लेमिंग ने धोनी की फिटनेस पर कह दी यह बड़ी बात

स्पोर्ट्स डेस्क । आईपीएल के पहले मैच शुरू होने को कुछ ही समय रह गया है। मैच से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने धोनी को लेकर बयान दिया है। सीएसके के कोच फ्लेमिंग ने धोनी की फिटनेस के ऊपर उठ रहे सवालों पर जवाब देते हुए कहा कि धोनी की फिटनेस अभी भी कई खिलाड़ियों से बेहतर हैं। धोनी इस समय अपने आपको तरो ताज़ा महसूस कर रहें हैं जो हमारी टीम के लिए बेहद कारगर साबित होगा। फ्लेमिंग ने अपने बयान में कहा कि कुछ तरीकों से ब्रेक हमारे अनुभवी और बड़ी उम्र के खिलाड़ियों के लिए काफी कारगर हो सकता है। वह बहुत फिट हैं और मानसिक रूप से काफी मज़बूत हैं। अनुभवी खिलाड़ी अहम मौकों को पहचान सकते हैं, इसलिए ही उन्होंने अपने करियर में इतना शानदार प्रदर्शन किया है। वे किसी भी समय मैच का रुख मोड़ सकते हैं, दबाव को झेल सकते हैं और परिस्थितियों का आंकलन कर सकते हैं। अनुभव यही होता है, इसलिए हम इसे काफी अहम मानते हैं। फ्लेमिंग ने आगे कहा कि धोनी के शांत स्वभाव के कारण ही हमारी टीम करीबी मैच जीतने में सफल रहती है। कि महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को काफी अनुभव रहा है और आप इसमें कौशल को भी मिला सकते हो।आप युवाओं को शामिल कर सकते हो और सही संतुलन बना सकते हो। गौर हो कि आईसीसी विश्व कप के बाद ये धोनी का पहला मैच है और सभी की नज़रें उन पर ही रहेंगी। आप युवाओं को शामिल कर सकते हो और सही संतुलन बना सकते हो। गौर हो कि आईसीसी विश्व कप के बाद ये धोनी का पहला मैच है और सभी की नज़रें उन पर ही रहेंगी।

आईपीएल से हटने पर हरभजन सिंह का आया बड़ा बयान, बताया क्या था कारण

स्पोर्टस डेस्क ।

आईपीएल के 13वें सीज़न का पहला मैच चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच अबुधाबी में खेला जाना है। इस मैच के लिए सभी की निगाहें दोनों टीमों पर रहेंगी। चेन्नई की टीम में सुरेश रैना और हरभजन सिंह के न होने से कमजोर दिख रही है। लेकिन हरभजन सिंह इस बात से सहमत नहीं रखते हैं। उनका मानना है कि चेन्नई की टीम में काफी अच्छे खिलाड़ी है जो टीम को आगे लेकर जाएंगे।

हरभजन सिंह ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि चेन्नई की टीम को मेरी और सुरेश रैना की कमी खलेगी। चेन्नई की टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी हैं जो टीम का बैलेंस बनाने में मदद करते हैं। इसी अनुभव के कारण ही चेन्नई की टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन करने में कामयाब रही है। सबसे बड़ी बात यह है कि टीम के पास विश्व के सबसे अच्छे कप्तान महेंद्र सिंह धोनी हैं जो किसी भी परिस्थितियों में मैच का पासा पलटने का दम रखते है। बता दें कि हरभजन सिंह आईपीएल के लिए ।

दुबई पहुंच गए थे लेकिन बाद में उन्होंने निजी कारणों के कारण अपना नाम वापिस ले लिया और भारत आ गए। हरभजन ने कहा कि मुझे लगता है कि इस समय मेरा अपने परिवार के साथ रहना ज्यादा महत्वपूर्ण है न कि क्रिकेट की फील्ड में। मैं चेन्नई की टीम को बहुत मिस करूंगा और टीम के अच्छे प्रदर्शन की शुभकामना करता हूं।

पंत को लेकर कोच रिकी पोंटिंग का बड़ा बयान, कहा- नहीं डालेंगे दबाव

दुबई । दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग को अपने शीर्षक्रम खासकर स्टार बल्लेबाज ऋषभ पंत से इंडियन प्रीमियर लीग के इस सत्र में प्रभावी प्रदर्शन की उम्मीद है लेकिन उन्होंने कहा कि वह इस युवा खिलाड़ी पर अपेक्षाओं का दबाव नहीं डालेंगे। किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाफ रविवार को दिल्ली के अभियान के आगाज से पूर्व पोंटिंग ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे पूरी टीम से काफी उम्मीदें हैं और मुझे यकीन है कि ऋषभ इस बार भी प्रभावी प्रदर्शन करेंगे। लेकिन एक कोच होने के नाते मैं ऐसी कोई अपेक्षायें नहीं रखना चाहता जो खिलाड़ी को खुद से भी नहीं हो। उन्होंने कहा, 'कोचिंग स्टाफ का काम टीम पर से दबाव कम करना है ताकि खिलाड़ी खुलकर स्वाभाविक खेल दिखा सकें। आईपीएल के पिछले सत्र में 16 मैचों में 162 से ऊपर के स्ट्राइक रेट से 488 रन बनाने वाले पंत ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 27 गेंद में 78 रन बनाए थे। उन्होंने यहां भी अभ्यास मैचों में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। पोंटिंग ने कहा कि अजिंक्य रहाणे के आने से टीम की बल्लेबाजी की गहराई बढी है। उन्होंने कहा, 'टीम में काफी लचीलापन है और रहाणे के आने से गहराई भी बढी है। श्रेयस ने पिछले साल शानदार प्रदर्शन किया। पंत, शिमरोन हेटमायेर, एलेक्स कारे बल्लेबाजी को मजबूती देते हैं और निचले क्रम पर अक्षर पटेल भी हैं। यह पूछने पर कि विकेट स्पिनरों की मददगार होगी या तेज गेंदबाजों की, पोंटिंग ने कहा, 'टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ हालात बदलते रहेंगे। पिछले दिनों विकेट पर घास थी और शुरूआत में सीम गेंदबाजों को मदद मिलेगी लेकिन बाद में विकेट धीमा होगा और स्पिनरों की भूमिका भी अहम होगी। उन्होंने स्वीकार किया कि दर्शकों के बिना खाली स्टेडियमों में खेलना अजीब होगा लेकिन कहा कि पहले मैच के बाद इसकी आदत पड़ जाएगी। उन्होंने कहा, 'मौजूदा हालात अलग है और कड़े प्रोटोकॉल लागू हैं जो बिल्कुल नए हैं। दर्शकों के बिना खेलना अजीब होगा लेकिन अब यहां ढाई सप्ताह हो चुके हैं। अभ्यास के दौरान कोचिंग स्टाफ ने भी इसके लिए काफी मेहनत की है और हमें पता है कि दुनिया भर में खासकर दिल्ली में हमारे प्रशंसक हमारे साथ है और हम उन्हें निराश नहीं करेंगे। गेंद पर लार के इस्तेमाल पर प्रतिबंध का कितना असर होगा, यह पूछने पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान ने कहा, 'असल में लार का इस्तेमाल गेंदबाजों की आदत बन चुकी है ।

भारत के हरिकृष्णा नें विश्व शतरंज चैम्पियन मेगनस कार्लसन को हराया

सेंट लुईस । सेंट लुईस ब्लिट्ज शतरंज के पहले दिन भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें एक ऐसा मुक़ाबला जीता जिससे भारत के सभी शतरंज प्रेमी उत्साह से भर गए । 18 राउंड के ब्लिट्ज मुक़ाबले मे पहले दिन 9 मुक़ाबले खेले गए और इसी के तीसरे राउंड मे सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए भारत के पेंटाला हरिकृष्णा नें विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन को पराजित करते हुए बड़ा उलटफेर कर दिया । हरिकृष्णा के खेल जीवन मे पहली बार उन्होने मौजूदा विश्व चैम्पियन को मात दी है । सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए सिसिलियन डिफेंस मे हरिकृष्णा नें शानदार ओपेनिंग के बाद खेल पर अच्छी बढ़त हासिल कर ली और फिर कार्लसन के राजा के उपर आक्रमण कर दिया जबाब मे कार्लसन के बचाव करने पर मोहरो की अदला बदली करते हुए खेल को हाथी और ऊंट के एंडगेम मे ले गए जहां पर उन्होने दो प्यादो की बढ़त बना ली और अंत मे एक और प्यादा मारते हुए 63 चालों मे शानदार जीत हासिल की । ऊंट के एंडगेम मे ले गए जहां पर उन्होने दो प्यादो की बढ़त बना ली और अंत मे एक और प्यादा मारते हुए 63 चालों मे शानदार जीत हासिल की ।

बैक टू बैक छक्के खाने में जडेजा हैं अव्वल, गेंदबाज़ भी शामिल हैं इस फेहरिस्त में

स्पोर्ट्स डेस्क ।

इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 19 सितम्बर से यू.ए.ई. के मैदानों पर होनी है। तो इसी बीच हम आपके सामने लेकर आए हैं आईपीएल के कुछ ऐसे यूनीक रिकॉर्ड जिसे सुनकर आप चौक जाएंगे। तो चलिए इसकी शुरुआत करते हैं आईपीएल 2020 के ओपनिंग मुकाबले चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस से। अबुधाबी के मैदान पर जब सीएसके टीम मुंबई के सामने होगी तो चेन्नई के ऑलराऊंडर रविंद्र जडेजा एक रिकॉर्ड से बचना चाहेंगे। यह रिकॉर्ड है लगातार दो या उससे ज्यादा गेंदों पर छक्के खाने का। जडेजा को अब तक आई.पी.एल. में 14 बार ऐसी स्थिति से गुजरना पड़ा जब उनकी गेंदों पर बैक-टू-बैक सिक्स लगे। जडेजा के बाद इस लिस्ट में अमित मिश्रा (14), युजी चहल 11, पीयुष चावला 11, डीजे ब्रावो 11, प्रवीण कुमार 10, करण शर्मा 10, उमेश शर्मा 9 का नाम आता है।

किंग्स इलेवन पंजाब का भी बुरा हाल

किंग्स इलेवन पंजाब की टीम ओवरऑल बैक-टू-बैक सिक्स खाने के लिए सबसे बदनाम है। पंजाब के गेंदबाजों के लिए 103 मौके ऐसे आए जब उन्हें इस स्थिति से गुजरना पड़ा। पंजाब के बाद इस लिस्ट में आर.सी.बी. 95, दिल्ली कैपिटल्स 75, सी.एस.के. 75, के.के.आर. 74, एम.आई. 61, एस.आर.एच. 58 का नाम आता है।

आर.सी.बी. सबसे आगे

आर.सी.बी. टीम के नाम यह रिकॉर्ड है कि उनके बल्लेबाजों ने 137 बार बैक-टू-बैक सिक्स मारे। इस रिकॉर्ड में एम.आई. 97, किंग्स इलेवन पंजाब 80, सी.एस.के. 78, के.के.आर. 77, दिल्ली कैपिटल्स 70 के साथ बने हुए हैं। वहीं, आईपीएल में लगातार छक्के लगाने के रिकॉर्ड तो देखें तो इसमें क्रिस गेल पहले नंबर पर बने हुए हैं। उनके नाम 61 बार लगातार दो या दो से ज्यादा गेंदों पर छक्के लगाने का रिकॉर्ड है। इसके बाद डीविलियर्स = 29, आंद्रे रसेल : 22, एम.एस. धोनी : 20, कैरोन पोलार्ड : 19, शेन वॉटसन : 19 का नाम आता है। तो चलिए आपको एक रोचक बात बताते हैं- ब्रैट ली ही एकमात्र ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें आईपीएल में कभी कोई सिक्स नहीं पड़ा है। ब्रैट ली ही एकमात्र ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें आईपीएल में कभी कोई सिक्स नहीं पड़ा है। इसके अलावा एक और यूनीक रिकॉर्ड के बारे में आपको बताते हैं कि डेविड वार्नर, रोबिन उथप्पा और आर.सी.बी. के कप्तान विराट कोहली ऐसे बल्लेबाज हैं जिन्होंने सिक्स लगाकर आई.पी.एल. में अपने 4 हजार रन पूरे किए थे।तो चलिए अब बात सिक्स किंग यानी गेल की करते हैं।

क्रिस गेल के नाम पर ट्वंटी 20 क्रिकेट में 978 छक्के दर्ज हो गए हैं। अगर वह आई.पी.एल. में 22 छक्के लगा गए तो वह 1000 का आंकड़ा छूने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। आई.पी.एल. में उनके नाम 326 छक्के हैं और वह डीविलियर्स (212) से काफी आगे चल रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किसानों से जुड़े बिल पर विरोध के बीच बीजेपी ने राज्यसभा सांसदों को जारी किया थ्री लाइन व्हिप

नेशनल डेस्क।

देशभर में जारी किसानों के विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा में कृषि से जुड़े तीनों बिल पास हो गये। अब ये बिल राज्यसभा में पेश किया जाएगा जिसे लेकर भारतीय जनता पार्टी ने व्हिप जारी कर दिया है। 3 लाइन के इस व्हिप में भाजपा ने अपने सांसदों को सदन में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। व्हिप के अनुसार सांसदों को सदन में उपस्थित रहना जरूरी होगा। इसका उल्लंघन करने वाले सांसद की सदस्यता तक जा सकती है। बता दें कि कृषि से जुड़े इन तीन अहम विधेयकों पर राजनीति गरमा गई है। पंजाब से लेकर महाराष्ट्र तक कई दल इसका विरोध कर रहे हैं. इन विधेयकों के विरोध में शिरोमणि अकाली दल की हरसिमरत कौर बादल ने केंद्रीय मंत्री पद से इस्तीफा तक दे दिया है। व्हिप का उल्लंघन दल बदल विरोधी अधिनियम के तहत माना जा सकता है और सदस्यता रद्द कर दी जा सकती है. व्हिप 3 तरह के होते हैं- एक लाइन का व्हिप, 2 लाइन का व्हिप और 3 लाइन का व्हिपं इन तीनों व्हिप में 3 लाइन का व्हिप अहम माना जाता है।

इसे कठोर कहा जाता है। इसका इस्तेमाल सदन में अविश्वास प्रस्ताव जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर बहस या वोटिंग में किया जाता है। यदि किसी सदस्य ने इसका उल्लंघन किया तो उसकी सदस्यता खत्म होने का भी प्रावधान है। कृषक उत्पाद व्यापार एवं वाणिज्य (संवर्धन एवं सरलीकरण) विधेयक 2020ः प्रस्तावित कानून का उद्देश्य किसानों को अपने उत्पाद अधिसूचित कृषि उपज विपणन समिति (एपीएमसी) यानी तय मंडियों से बाहर बेचने की छूट देना है। इसका लक्ष्य किसानों को उनकी उपज के लिये प्रतिस्पर्धी वैकल्पिक व्यापार माध्यमों से लाभकारी मूल्य उपलब्ध कराना है। इस कानून के तहत किसानों से उनकी उपज की बिक्री पर कोई उपकर या शुल्क नहीं लिया जायेगा। फायदाः यह किसानों के लिये नये विकल्प उपलब्ध करायेगा। उनकी उपज बेचने पर आने वाली लागत को कम करेगा, उन्हें बेहतर मूल्य दिलाने में मदद करेगा। इससे जहां ज्यादा उत्पादन हुआ है।।

भारतीय वायु सेना में किसी पद पर कितनी महिलाएं शामिल, सरकार ने दी पूरी जानकारी

नेशनल डेस्क।

भारतीय वायुसेना (आईएएफ) में सेवारत महिला अधिकारियों की कुल संख्या 1875 है और इनमें से 10 लड़ाकू विमान चालक हैं जबकि 18 महिला अधिकारी दिशा-संचालक (नैवीगेटर) हैं। राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित जवाब में रक्षा राज्य मंत्री श्रीपाद नाईक ने इसकी जानकारी दी। नाईक ने बताया कि एक सितंबर, 2020 की स्थिति के अनुसार भारतीय वायुसेना में सेवारत महिला अधिकारियों की संख्या 1875 है। इनमें से 10 महिला अधिकारी लड़ाकू पायलट हैं और 18 महिला अधिकारी नैवीगेटर हैं। उन्होंने बताया कि रक्षा मंत्रालय के अनुमोदन के बाद भारतीय वायुसेना ने वर्ष 2016 में फ्लाइंग ब्रांच की लड़ाकू स्ट्रीम में महिला एसएससी अधिकारियों के प्रवेश के लिए एक योजना आरंभ की थी। इसके अंतर्गत अब तक 10 महिला लड़ाकू पायलटों को कमीशन किया गया है। यह पूछे जाने पर कि महिला लड़ाकू विमान चालकों द्वारा सीमा पार या शत्रु देशों की सीमा रेखा के आस-पास लड़ाकू विमान उड़ाते समय किस तरह की सुरक्षा संबंधी सावधानियां बरतने के दिशा निर्देश हैं, नाईक ने बताया कि भारतीय वायुसेना में महिला लड़ाकू पायलटों को निर्धारित की गई नीति के अंतर्गत सामरिक जरूरतों और संक्रियात्मक आवश्यकताओं के अनुसार नियुक्त और तैनात किया जाता है, जिसकी समय-समय पर समीक्षा की जाती है। उल्लेखनीय है कि जून 2016 में पहली बार तीन महिला लड़ाकू विमान चालकों भावना कंठ, अवनी चतुर्वेदी और मोहना सिंह को भारतीय वायु सेना के लड़ाकू बेड़े में शामिल किया गया था।

जम्मू-कश्मीर के लिए आर्थिक पैकेज का एलान, एक साल तक बिजली पानी के बिल में 50 प्रतिशत की छूट

नई दिल्ली। कोरोना महामारी के कारण आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे जम्मू-कश्मीर के लिए जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने राज्य के लिए 1,350 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज का एलान किया है। उपराज्यपाल ने शनिवार को कहा, मुझे आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे राज्य के कारोबारियों के लिए 1,350 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह कारोबारियों को सुविधा देने के लिए हमारे द्वारा किए गए आत्मनिर्भर भारत और अन्य उपायों के लाभों के अतिरिक्त है। इसके अलावा उपराज्यपाल ने बिजली-पानी के बिलों पर एक साल तक 50 प्रतिशत छूट का भी एलान किया। उन्होंने कहा, बिजली और पानी के बिल में एक साल तक के लिए 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने इस पैकेज की घोषणा करते हुए कहा कि मुझे आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे व्यवसाय समुदाय के लोगों के लिए 1,350 करोड़ रुपये के आर्थिक पैकेज की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उपराज्यपाल ने कहा, हमने मौजूदा वित्तीय वर्ष में छह महीने के लिए बिना किसी शर्त के, कारोबारी समुदाय के प्रत्येक उधार लेने वाले व्यक्ति को पांच प्रतिशत ब्याज देने का फैसला किया है।

विजयपुर में शराब की 45 बोतलों के साथ एक काबू

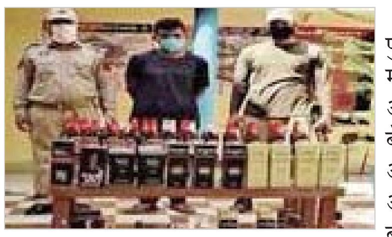

साम्बा। विजयपुर पुलिस ने गत देर छापा मार कर एक व्यक्ति को अवैध रूप से शराब बेचते पकड़ लिया। आरोपी का नाम अजीत कुमार पुत्र बचनलाल बताया गया है। जारी विज्ञप्ति के अनुसार सूचना मिलने के बाद विजयपुर पुलिस ने विजयपुर के कनाल रोड इलाके में विश्वकर्मा मंदिर के पास एक स्थान पर दबिश दी और इस व्यक्ति को बड़ी मात्रा के अवैध शराब के साथ पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार यह आरोपी पैसे कमाने के चक्कर में लोगों को महंगी दरों पर शराब बेचता था। छापे के दौरान इसके पास से 45 बोतलें शराब बरामद की गई जिसमें बीयर, व्हिस्की और रम आदि शामिल थी। छापे के दौरान इसके पास से 45 बोतलें शराब बरामद की गई जिसमें बीयर, व्हिस्की और रम आदि शामिल थी। पुलिस ने इस सिलसिले में एक्साईज एक्ट की धारा 48-ए के तहत मामला दर्ज कर लिया है और छानबीन शुरू कर दी है।

कोरोना काल में नौकरी जाने से सऊदी अरब में 450 भारतीय भीख मांगने को हुए मजबूर, रोते हुए लगाई मदद की गुहार

नई दिल्ली।

कोरोना के चलते पूरी दुनिया में लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा है। वहीं सऊदी अरब में 450 बेरोजगार भारतीय सड़क पर आकर भीख मांगने को मजबूर हो गए। इनमें से अधिकतर तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कश्मीर, बिहार, दिल्ली, राजस्थान, कर्नाटक, हरियाणा, पंजाब और महाराष्ट्र के रहने वाले हैं। इन भारतीयों के ज्यादातर वर्क परमिट्स समाप्त हो चुके हैं और वो भीख मांग पर पेट भरकर गुजारा कर रहे हैं। जब इस बात का पता अथॉरिटी को लगा तो उन्होंने सभी भारतीयों को डिटेंशन सेंटर में भेज दिया है। अथॉरिटी ने इन मजदूरों के किराये के घर जाकर उनकी पहचान की और उन्हें जेद्दा के शुमैसी डिटेंशन में भेज दिया। इन मजदूरों में से 39 उत्तर प्रदेश से हैं, 10 बिहार, 5 तेलंगाना और 4-4 महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक से हैं जबकि एक आंध्र प्रदेश से है। कोरोना की मार झेल रहे इन लोगों के वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहे है जिसमें वह रोते हुए बता रहे हैं कि हम अपने हालातों की वजह से भीख मांगने को मजबूर हुए क्योंकि हमारे पास कोई नौकरी नहीं बची। वायरल वीडियो में एक मजदूर को अपील करते हुए सुना जा सकता है कि मेरा भाई गुजर गया और मेरी माँ गंभीर है। मैं भारत वापस भेजना चाहता हूं। मीडिया से बातचीत के दौरान एक सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया, जब लोकल अथॉरिटी को पता चला कि इन मजदूरों का वर्क परमिट खत्म हो चुका है तो उन्हें डिटेंशन सेंटर में शिफ्ट कर दिया गया, जिनके पास वर्क परमिट नहीं है उन्हें डिटेंशन सेंटर ले जाया गया। सामाजिक कार्यकर्ता ने इन भारतीयों की मदद के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस जयशंकर, नागरिक उड्डयन मंत्री हरदीप सिंह पुरी और सऊदी अरब में भारतीय राजदूत औसाफ सईद को पत्र लिखा है।

दिल्ली के पत्रकार राजीव ने चीनी जासूस और नेपाली साथी के साथ मिलकर ड्रेगन को बेचे भारत के सीक्रेट

इंटरनेशनल डेस्क।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने स्वतंत्र पत्रकार राजीव शर्मा, चीनी महिला किंग शी और उसके नेपाली साथी शेर सिंह उर्फ राज बोहरा को भारत के खिलाफ जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। ये तीनो चीन को देश की सेना और सुरक्षा मामलों से संबंधित अहम व संवेदनशील जानकारी व दस्तावेज भेजते पकड़े गए। स्पेशल सेल ने राजीव शर्मा को चीन को संवेदनशील दस्तावेज सौंपने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जो चीनी महिला और नेपाली युवक गिरफ्तार हुए हैं वह दस्तावेज के बदले राजीव को फर्जी (शेल) कंपनियों के जरिए मोटी रकम मुहैया कराते हैं। अधिकारियों का दावा है कि राजीव ने कुछ समय पहले ही चीन को सेना के कुछ बेहद महत्वपूर्ण दस्तावेज उपलब्ध कराए हैं जिसके बदले उसके अकाउंट में लाखों की रकम भी आई है। सिर्फ यही नहीं राजीव के पास से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, कई लैपटॉप और अन्य महत्वपूर्ण और संवेदनशील वस्तुएं बरामद हुई हैं। इन सबका प्रयोग वह चीन से संपर्क करने, उन्हें दस्तावेज व सूचनाएं पहुंचाने के लिए करता था। अधिकारियों ने दावा किया है कि पत्रकार के कब्जे से सेना से संबंधित कुछ दस्तावेज बरामद किए हैं। फिलहाल वह छह दिन की रिमांड पर है।

पूछताछ में पता चला है कि आरोपी पत्रकार चीन के लिए जासूसी कर रहा था। राजधानी के पीतमपुरा निवासी राजीव शर्मा कई अखबारों में काम कर चुका है। उसे गत 14 सितंबर को गिरफ्तार किया था और अगले दिन कोर्ट में पेश कर छह दिन के रिमांड पर लिया है।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में 28 दुकानें और एक घर आग में जलकर राख

बनिहाल/जम्मू ।

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में कम से कम 28 दुकानें और एक घर आग में जलकर राख हो गए। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। तहसीलदार (खारी) अशोक चक्रवर्ती ने बताया कि शुक्रवार रात करीब पौने 11 बजे बनिहाल कस्बे से लगभग 16 किलोमीटर दूर खारी में प्रमुख बाजार में आग लग गई। उन्होंने कहा कि दमकल कर्मियों ने डेढ़ घंटे से भी अधिक समय तक मशक्कत करने के बाद आग पर काबू पाया । नजदीकी कैंप के सैन्य कर्मियों और स्थानीय निवासियों ने भी आग बुझाने में हाथ बंटाया। अधिकारी ने कहा, 28 दुकानें और एक रिहायशी मकान आग में जलकर राख हो गए। करोड़ों रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। नुकसान को लेकर अंतिम रिपोर्ट तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि एक दुकान में शॉर्ट सर्किट होने के चलते आग लगी और देखते ही देखते उसने बाजार की अन्य दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच, शनिवार सुबह बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल के बाहर जमा हुए और उन्होंने तहसील में दमकल कार्यालय न होने पर प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय तहसीलदार ने मांगे पूरी करने का आश्वासन दिया, जिसके बाद उन्होंने प्रदर्शन खत्म कर दिया।

नशे मुद्दे पर जया से विवाद: रवि किशन बोले-हमें गूंगा-बहरा बनने के लिए पार्लियामेंट में नहीं भेजा गया

लखनऊ।

बॉलीवुड में ड्रग्स के मुद्दे पर समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन के बयान 'कुछ लोग जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं' पर बीजेपी सांसद रवि किशन ने एक बार फिर प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि लोगों द्वारा हमें गूंगा-बहरा बनने के लिए पार्लियामेंट में नहीं भेजा गया है। एक समाचार त्र को दिए इंटरव्यू में रवि किशन ने कहा, देश के स्वच्छता अभियान में हर तरह की गंदगी साफ होनी चाहिए। आदमी शुरुआत अपने घर से ही करता है। अगर हमें कुछ चीजें पता है तो हम उस पर बोलेंगे। लोग हमें चुनकर क्यों भेजे हैं। हमें गूंगा-बहरा बनने के लिए पार्लियामेंट में नहीं भेजा गया है। अब इस पर एक आंदोलन छिड़ गया है। वह भी कलाकार ने छेड़ दिया है। इससे पहले ऐसा कभी नहीं हुआ था।' जया बच्चन ने जो बोला है उसपर क्या कहेंगे के सवाल पर रवि किशन ने कहा, 'मैं तो चाह रहा था कि वे मुझे आशीर्वाद देंगी। मेरा समर्थन करेंगी, क्योंकि हम सबके बच्चे फिल्म इंडस्ट्री में हैं। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे अच्छे माहौल में रहे। यह अमित जी के जमाने में तो था नहीं। आठ-दस साल में यह जो बढ़ा है, वह चरस-गांजा नहीं है। यह केमिकल ड्रग्स है, जो जहर है। हम उसकी बात कर रहे हैं। चरस, गांजा भी गंदा नशा है, पर उससे भी ज्यादा डेंजरस केमिकल ड्रग्स है। इसे कोकीन कहते हैं, एलर्जी कहते हैं, एमजी कहते हैं, इसके कई नाम हैं।' आपके विरोध में जया ने क्यों बात उठाई इस पर क्या कहेंगे के सवाल पर रवि किशन ने कहा- वे समाजवादी पार्टी की वरिष्ठ नेता है। यह उनकी विचारधारा है, मुझे लगता है कि उन्हें समझ में ही नहीं आया। समाजवादी पार्टी एक तरफ ब्राह्मणों के पक्ष में परशुराम का मंदिर बनाने की बात कर रही है और उसी पार्टी की वरिष्ठ नेता जया बच्चन से एक ब्राम्हण के बेटे रवि किशन को जलील करवा रही हैं। आखिर यह दोहरे चेहरे की राजनीति क्या है। जया बच्चन ने आज राज्यसभा में बीजेपी सांसद रवि किशन के बयान को लेकर कहा, 'कुछ लोगों की वजह से, आप पूरी इंडस्ट्री की छवि खराब नहीं कर सकते हैं। मुझे कल बहुत बुरा लगा जब लोकसभा के एक सदस्य, जो खुद इंडस्ट्री से ताल्लुक रखते हैं, ने फिल्म इंडस्ट्री के बारे में खराब बोला। जिस थाली में खाते हैं उसी में छेद करते हैं।' बता दें कि बीते कई दिनों से बॉलीवुड में ड्रग्स का मुद्दा जोर शोर से सुनाई दे रहा है। सोमवार को इस मुद्दे को भोजपुरी सुपरस्टार और बीजेपी सांसद रवि किशन ने सदन में उठाया। मानसून सत्र में कार्यवाही के दौरान रवि किशन ने कहा कि ड्रग्स की तस्करी और युवाओं द्वारा इसका सेवन करना हमारे देश के सामने नई चुनौती बनकर सामने आया है। युवाओं को भटकाने के लिए चीन और पाकिस्तान साजिश के तहत पंजाब और नेपाल के जरिए यह ड्रग्स पूरे देश में फैलता है। सांसद रवि किशन ने कहा कि ड्रग्स की लत का शिकार बॉलीवुड भी है। एनसीबी बहुत अच्छा काम कर रहा है।

हर पार्टी तय करे कि वह किसानों के साथ है या भाजपा के साथ: चिदंबरम

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने कृषि संबंधी विधेयकों के खिलाफ सभी विपक्षी दलों से एकजुट होने की अपील करते हुए शनिवार को कहा कि हर पार्टी को स्पष्ट करना चाहिए कि वह किसानों के साथ है या फिर कृषकों की जीविका को खतरे में डाल रही भाजपा के साथ है । उन्होंने यह दावा भी किया कि 2019 के लोकसभा चुनाव से जुड़े कांग्रेस के घोषणापत्र में किसानों से किए वादों को भाजपा तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है, जबकि इस सरकार ने कॉरपोरेट के समक्ष समर्पण कर दिया है। पूर्व वित्त मंत्री ने एक बयान में कहा, भाजपा अपने खुद के बनाए हुए जाल में फंस गई है। दशकों तक यह व्यापारियों के वर्चस्व वाली पार्टी रही और अब भी है। वस्तुओं और सेवाओं के अभाव वाली अर्थव्यवस्था का इनके द्वारा दोहन किया गया। इंदिरा गांधी द्वारा हरित क्रांति लाने और पीवी नरसिंह राव एवं मनमोहन सिंह द्वारा शुरू किए गए उदारीकरण के बाद हालात बदलने लगे। चिदंबरम के मुताबिक, आज हमारे यहां गेहूं और चावल जैसी उपज अधिक मात्रा में पैदा हो रही हैं। किसानों की ताकत की बुनियाद पर कांग्रेस की सरकारों ने खाद्य सुरक्षा प्रणाली बनाई जिसके बाद 2013 में खाद्य सुरक्षा कानून बना। हमारी खाद्य सुरक्षा प्रणाली के तीन स्तंभ- न्यूनतम समर्थन मूल्य, सरकारी खरीद और सार्वजनिक वितरण व्यवस्था हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया, कांग्रेस ने 2019 में इन्हीं बुनियादी सिद्धांत के आधार पर घोषणापत्र तैयार किया था। प्रधानमंत्री और भाजपा के प्रवक्ता ने कांग्रेस के घोषणापत्र को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर पेश किया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा, हमने वादा किया था कि कृषि उत्पादक कंपनियों/संगठनों को प्रोत्साहित करेंगे ताकि किसानों की लागत, प्रौद्योगिकी और बाजार तक पहुंच हो सके। हमने यह भी कहा था कि उचित बुनियादी ढांचे तथा बड़े गांवों एवं छोटे कस्बों में सहयोग से कृषि बाजार स्थापित किए जाएंगे ताकि किसान अपनी उपज ला सकें ।

संक्षिप्त समाचार

जम्मू कश्मीर में ओबीसी, अजा के लिए बढाएं आरक्षण : बसपा

नयी दिल्ली। राज्यसभा में शनिवार को बहुजन समाज पार्टी के एक सदस्य ने सरकार से मांग की कि जम्मू कश्मीर में अन्य पिछडा वर्ग और अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण बढा कर अन्य राज्यों के समान किया जाए। शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए बसपा के राजा राम ने कहा कि जम्मू में अन्य पिछडा वर्ग की आबादी 35 फीसदी है और उन्हें केवल दो फीसदी ही आरक्षण प्राप्त है जबकि अन्य राज्यों में ओबीसी के लिए आरक्षण 15 फीसदी और कहीं 28 फीसदी है। राजा राम ने कहा कि इसी तरह जम्मू कश्मीर में अनुसूचित जाति के लोगों की आबादी 17 फीसदी है और उन्हें आठ फीसदी आरक्षण मिला है जबकि अन्य राज्यों में उन्हें 15 फीसदी आरक्षण प्राप्त है। बसपा सदस्य ने मांग की कि जम्मू कश्मीर में अन्य पिछडा वर्ग और अनुसूचित जाति के लोगों के लिए आरक्षण बढा कर उतना किया जाए जितना अन्य राज्यों में है। उन्होंने कहा कि पिछले साल पांच अगस्त को जब जम्मू कश्मीर से, उसे विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के अधिकतर प्रावधान हटाए गए तब बसपा ने सरकार का साथ दिया था। राजा राम ने कहा तब बसपा ने यह कहते हुए केंद्र का साथ दिया था कि अनुच्छेद 370 की वजह से जम्मू कश्मीर के लोगों को केंद्र की योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाता। लेकिन आज एक साल से अधिक समय बीत गया, अन्य पिछडा वर्ग और अनुसूचित जाति के लोगों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सभापति एम वेंकैया नायडू ने इसे महत्वपूर्ण मुद्दा बताते हुए कहा कि गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी इस मुद्दे को देखें और कारण भी पता करें।।

भारत-नेपाल तनाव कम करने की तैयारी: बिहार से नेपाल के लिए चलेगी ट्रेन, ट्रायल हुआ सफल

पटना। नेपाल और भारत के बीच बीते कई महीनों से खटास पैदा हो गई है। दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी बीच बिहार के मधुबनी और नेपाल के लोगों के लिए राहत भरी खबर है। दरअसल, भारत-नेपाल के बीच ट्रेन चलाने का ट्रायल पूरा हो गया है। ये ट्रेन बिहार के मधुबनी जिले के जयनगर से नेपाल के कुर्था तक चलेगी। जानकारी के अनुसार, भारत से नेपाल के बीच रेल लाइन 64 किलोमीटर की होगी। हालांकि यह ट्रेन रेगुलर कब से चलेगी इसके बारे अभी कोई जानकारी नहीं है, लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि नवरात्री से नई ट्रेन का संचालन शुरू हो सकता है। नई ट्रेन पांच हॉल्ट और 142 पुलों से होते हुए मधुबनी के जयनगर से नेपाल जाएगी। यात्रा के दौरान ट्रेन नौ स्टेशनों पर रुकेगी, जिसमें जयनगर, इनरवा, खौजली, वेदही, कुर्था, सिंघराही, पिपराही, विजलपुरा और बर्दीवास शामिल हैं। इसी बीच देश के रेलमंत्री पीयूष गोयल ने ट्वीट कर लिखा कि नेपाल के साथ हमारे प्राचीन सांस्कृतिक और सौहार्द्रपूर्ण संबंध रहे हैं। अपने इसी संबधों को नया आयाम देते हुए रेलवे द्वारा नेपाल को 2 ष्डश्वरू ट्रेन सेट दिए गए। इनका उपयोग जयनगर, बिहार से कुर्था, नेपाल तक की रेलयात्रा के लिए किया जाएगा, जिससे दोनो देशों के नागरिकों को लाभ होगा।

बेटे की चाहत में मां ने एक माह की बेटी को मौत के घाट उतारा, गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश में दिल को दहला देने वाली एक घटना सामने आई है जहां बेटे की चाह में एक मां ने नवजात बेटी को मार डाला। सामाजिक कुरीती से जुड़ी ये घटना भोपाल के खजूरी सड़क थाना क्षेत्र से सामने आई है जहां एक मां ने कथित तौर पर अपनी एक महीने की बच्ची की हत्या कर दी। इस कलयुगी मां ने अपनी बेटी को पानी की टंकी में डुबाकर मार डाला। इसके बाद उस 22 वर्षीय मां को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, भोपाल के एक दंपति सरिता और सचिन मेवाड़ा और उसके परिजनों को बेटा पैदा होने की अपेक्षा थी। रिश्तेदारों ने बताया कि गर्भअवस्था में ससुरालवालों ने कई वार उसकी झाड़ फूंक भी कराई गई। लेकिन जब बेटी का जन्म हुआ तो वे कुंठित हो गए। जिसके कारण इस वारदात को अंजाम दिया गया। खजूरी सड़क पुलिस थाने के प्रभारी निरीक्षक एल डी मिश्रा ने बताया कि बुधवार को बच्ची की मां ने उसके लापता होने की बात बोलकर शोर मचाया। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की, जिसके बाद छत की पानी की टंकी में बच्ची का शव मिला। पुलिस को शक तब हुआ जब शव मिलने के बाद भी उसकी मां ना रो रही थी और नाहीं किसी से कुछ बोल रही थी। उन्होंने बताया कि मामले में सरिता को अपनी ही एक माह की बालिका की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर विस्तृत जांच की जा रही है। पुलिस ने बेटी की हत्या के आरोप में भांडवी की धारा 302 के तहत डेहरिया गांव की निवासी सरिता मेवाड़ा को आज गिरफ्तार किया है।

उड़ी आतंकी हमले के शहीद हवलदार रवि पॉल को चौथे बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

साम्बा। रामगढ़ के सारबा गांव में आज सेना की 10 डोगरा बटलियन के शहीद हवलदार रवि पॉल के शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में एक श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जेके अपनी पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री मंजीत सिंह व स्थानीय सरपंच विजय चौधरी बाबा सहित कई प्रमुख एवं गणमान्य लोग भी कार्यक्रम में मौजूद रहे, जिन्होंने ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान राष्ट्र की अखंडता और संप्रभुता को बनाए रखने में सुरक्षा बलों की वीरता को याद करते हुए मंजीत सिंह ने कहा कि उनके सर्वोच्च बलिदान हमेशा युवाओं के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ावा देने के अलावा देश के लिए एक मार्गदर्शक बल बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि हवलदार रवि पॉल जी ने 2016 में कश्मीर के उड़ी में आतंकवादियों से लड़ते हुए वीरगति प्राप्त की थी और देश राष्ट्रसेवा में ऐसे बहादुर सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान के लिए हमेशा ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि सेना हमारे दिलों में विशेष स्थान रखती है और हमें राष्ट्र के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान पर सबको गर्व है। उन्होंने कहा कि शहीदों को याद करना व उनके बलिदानों को याद रखना बेहद जरूरी है। क्योंकि शहीदों की वीरगाथा से युवाओं में देशभक्ति के उत्साह को बढ़ाने में काफी मदद मिलती है। इस दौरान सरपंच विजय चौधरी ने भी शहीद को नमन किया और उनकी याद में गांव में 12 स्ट्रीट लाईट्स भेंट की। इस मौके पर शहीद के परिजन, पत्नी-बेटे सहित अन्य लोगों ने भी श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान सरपंच विजय चौधरी ने भी शहीद को नमन किया ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री बोरिस बोले- ब्रिटेन में कोरोना की दूसरी लहर शुरु, नहीं लगाएंगे बड़ा लॉकडाउन

लंदन।

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने कहा है कि देश में कोविड -19 महामारी का दूसरा वेव शुरु है लेकिन बड़े पैमाने पर लॉकडाउन नहीं करके सोशल डेस्टेंसिंग तथा अन्य सुरक्षा उपायों को कठोर किया जायेगा। जॉनसन ने कहा,'' देश में कोरोना की दूसरी वेव को रोका नहीं जा सकता था लेकिन हम राष्ट्रीय लॉकडाउन के पक्ष में नहीं है। इस महामारी से निबटने के लिए सुरक्षा कदमों को और कठोर किया जायेगा तथा सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता के आधार पर कर्फ्यू लगाया जायेगा। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय लॉकडाउन की नौबत नहीं आए इसके लिए सरकार कई कदमों पर विचार कर रही है। कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए त्रिस्तरीय प्रतिबंध के उपायों पर विचार किया जा रहा है। सोशल डिस्टेंसिंग के दायरे को और बढ़ाया जाएगा। अस्पतालों के पास कर्फ्यू लगाया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोग एक जगह एकत्र होकर बैठक आदि नहीं करें और ना ही आपस में मिलें। लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा कि कोरोना का प्रसार तेज हुआ है और राजधानी के 90 लाख लोगों को पूर्वोत्तर लंदन की तरह कड़े सुरक्षा प्रबंधों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना से जंग के लिए राजधानी में अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाये जायेंगे।

चीन ने ताइवान की सीमा में घुसाए 18 लड़ाकू विमान, धमकाया-आग से न खेलें अमेरिका-ताइपे

बीजिंग।

चीन अब भारत के बाद ताइवान में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहा है। चीन के 18 फाइटर जेट्स शुक्रवार शाम ताइवान के हवाई क्षेत्र में घुसे। इन फाइटर जेट्स ने कुछ मिनट तक यहां उड़ान भरी और बाद में लौट गए। इस हरकत के बाद चीन ने कहा- यह हमारी तरफ से अमेरिका और ताइवान को वॉर्निंग है। खास बात ये है कि जिस वक्त यह फाइटर जेट्स ताइवान के आकाश में उड़ान भर रहे थे, तब अमेरिका के अंडर सेक्रेटरी कीथ क्रेच ताइवान की राजधानी ताइपे में एक प्रोग्राम में मौजूद थे। चीन के फाइटर जेट्स जब ताइवानी सीमा से लौटे तो उसके कुछ देर बाद चीन के रक्षा मंत्रालय के एक सीनियर अफसर का बयान आया। कर्नल रेन गुओकियांग ने कहा- जो लोग आग से खेलने की कोशिश कर रहे हैं, वे जल जाएंगे। वहां के एक सरकारी थिंक टैंक ने कहा- हमारी तरफ से यह अमेरिका और ताइवान दोनों को वॉर्निंग है। जिस दौरान चीनी फाइटर जेट्स ताइवान के आकाश में पहुंचे, उसी वक्त ताइवान ने अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम को एक्टिव और हाई अलर्ट पर रखा। हालांकि, ताइवान की तरफ से जवाबी कार्रवाई का शक होने पर चीन के एयरक्राफ्ट्स फौरन लौट गए। बुधवार को भी चीन के दो फाइटर जेट्स ताइवान की हवाई सीमा में घुसपैठ कर चुके थे। दो महीने में यह दूसरा मौका है जब डोनाल्ड ट्रंप ने किसी मंत्री स्तर के अफसर को ताइवान भेजा है। 1979 के बाद से अमेरिका का कोई बड़ा अफसर ताइवान नहीं जाता था। हालांकि, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक रिश्ते हैं। चीन की इस हरकत पर अमेरिका ने अभी जवाब नहीं दिया। महामारी शुरू होने के बाद ताइवान की खाड़ी और साउथ चाइना सी में शी जिनपिंग सरकार छोटे देशों पर दबाव बढ़ा रही है।चीनी सरकार ताइवान को अपना हिस्सा मानती है। जबकि, ताइवान एक स्वतंत्र देश है। अमेरिका खुलकर ताइवान के साथ खड़ा हो गया है।

संसद में मोबाइल पर पोर्न तस्वीरें देखते पकड़ा सांसद, पूछने पर लगाया अजीब बहाना

बैंकॉक।

थाइलैंड की संसद में एक सांसद मोबाइल पर आपत्तिजनक तस्वीरें देखते हुए कैमरे में कैद हो गए। सवाल पूछे जाने पर उन्होंने इसे स्वीकार तो किया लेकिन काफी अजीबोगरीब बहाना भी बनाया। गुरुवार को थाईलैंड की संसद में बजट पर चर्चा होनी थी। सभी सांसद बजट को लिए दस्तावेजों को देखने में जुटे थे। इसी दौरान सांसद रोन्नाथेप अनुवत फोन पर कुछ और ही करने में व्यस्त थे। प्रेस गैलरी में बैठे पत्रकारों ने उनकी तस्वीरें लीं और जूम करके देखा तो पता चला कि वह महिलाओं की आपत्तिजनक तस्वीरें देख रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपने चेहरे से मास्क भी हटा लिया था। वह तीन तस्वीरों को काफी देर तक निहारते दिखे जिनमें एक तस्वीर में महिला टॉपलेस है तो दूसरी तस्वीर में न्यूड होकर बेड पर लेटी थी। सत्ताधारी पालांग प्रछाराथ पार्टी के चोनबुरी प्रांत के सांसद से बाद में जब पत्रकारों ने सवाल किया तो वह शर्मिंदा हो गए। हालांकि, उन्होंने स्वीकार किया कि वह मोबाइल में आपत्तिजनक तस्वीरें देख रहे थे। लेकिन उन्होंने दावा किया कि उन्हें किसी ने पैसे और मदद की मांग करते हुए यह तस्वीरें भेजी थीं। सांसद ने कहा कि वह तस्वीरों में बैकग्राउंड को ध्यान से देखकर यह जानने की कोशिश कर रहे थे कि कहीं लड़की किसी खतरे में तो नहीं है। वह लड़की के आसपास की चीजें देख रहे थे।

पूर्व मॉडल ने लगाया आरोप- ट्रंप ने मैच के दौरान की जबरदस्ती

इंटरनेशनल डेस्क।

चुनावी मौसम में अपने अफेयर्स और निजी जीवन को लेकर विवादों में रहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं। ट्रंप पर एक बार फिर एक पूर्व मॉडल ने यौन शोषण का आरोप लगाया है। मॉडल एमी डोरिस ने आरोप लगाया है कि 23 साल पहले ओपन टेनिस चैंपियनशिप के दौरान ट्रंप ने उनके साथ जबरदस्ती की थी। ट्रंप ने इन आरोपों का खंडन किया है। उनके वकीलों ने दावा किया है कि 3 नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनकी छवि खराब करने के इरादे से यह आरोप लगाया गया है। डोरिस का कहना है कि उस वक्त उनके बॉयफ्रेंड रहे जेसन बिन ने उन्हें ट्रंप से मिलाया था। द गार्जियन को दिए इंटरव्यू में डोरिस ने आरोप लगाया कि मैच के दौरान बॉक्स में ट्रंप ने उन्हें जबरन किस किया और बहुत मजबूती से जकड़ लिया। उन्होंने कहा कि जब वह ट्रंप को हटाने की कोशिश करने लगीं तो उन्होंने पकड़ और मजबूत कर ली। ट्रंप ने एमी को किस किया जिस पर उन्होंने ट्रंप की जीभ काट ली। हालांकि ट्रंप के वकीलों ने इस आरोप का खंडन किया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति ने कभी उनका उत्पीड़न नहीं किया या गलत व्यवहार नहीं किया। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा हुआ होता तो बॉक्स में मौजूद लोगों ने यह देखा होता।

वहीं, उस वक्त एमी के बॉयफ्रेंड रहे जेसन बिन ने इस पर कोई कॉमेंट नहीं किया है। एमी का कहना है कि घटना के बाद उन पर सामान्य बर्ताव करने का दबाव था। बता दें कि डोरिस से पहले 2016 में कई महिलाओं ने ट्रंप पर शोषण का आरोप लगा चुकी हैं। ट्रंप ने सभी आरोपों का खंडन किया है।

फिर जंग का मैदान बना सीरिया, रूस से मुकाबले के लिए अमेरिका ने भेजी सेना

वाशिंगटन। रूसी बलों के साथ हुई कई झड़पों के बाद सीरिया एक बार फिर जंग का मैदान बन गया है। अमेरिका ने अब रूस से मुकाबला करने के लिए पूर्वी सीरिया में अतिरिक्त सैनिकों और बख्तरबंद वाहनों की तैनाती की है। अमेरिकी नौसेना में कैप्टन और मध्य कमान के प्रवक्ता बिल अर्बन ने बताया कि अमेरिका ने रडार प्रणाली भी भेजी है और अमेरिकी एंव गठबंधन बलों की बेहतर सुरक्षा के लिए इलाके में लड़ाकू विमानों की गश्त बढ़ा दी गई है। अर्बन ने कहा, ''अमेरिका सीरिया में किसी अन्य देश से विवाद नहीं चाहता लेकिन जरूरत पड़ी तो गठबंधन बलों की रक्षा करेगा। वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारी ने कहा कि करीब आधा दर्जन ब्राडले लड़ाकू वाहन और 100 से कुछ कम अतिरिक्त सैनिक पूर्वी सीरिया भेजे गए हैं। अधिकारी ने पहचान गोपनीय रखते हुए बताया कि इलाके में सैनिकों की तैनाती रूस को साफ संकेत है किवह अब अमेरिका और उसके मित्र देशों के खिलाफ वहां किसी असुरक्षित एवं उकसावे की कार्रवाई से बचे। वह अब अमेरिका और उसके मित्र देशों के खिलाफ वहां किसी असुरक्षित एवं उकसावे की कार्रवाई से बचे। वह अब अमेरिका और उसके मित्र देशों के खिलाफ वहां किसी असुरक्षित एवं उकसावे की कार्रवाई से बचे।

कोविड-19 प्रोटोकॉल पर पाकिस्तान सख्त, 32 घंटे में सील किए स्कूल-कॉलेज

ऐजुकेशन डेस्क।

कोरोना वायरस के कारण भारत में जहां स्कूल कॉलेज मार्च से बंद है वहीं पाकिस्तान में कई जगहों पर स्कूल खोल दिए। लेकिन पाकिस्तान सरकार पर स्कूल खोलने का फैसला भारी पड़ रहा है। सरकार की ओर से जारी कोविड-19 गाइडलाइन न मानने वाले स्कूलों पर 48 घंटे के भीतर कार्रवाई शुरू कर दी। सरकार ने 32 संस्थानों को बंद करने का आदेश जारी कर दिया। बता दें कपिकिस्तान ने भारत से एक हफ्ते पहले 14 सप्तिंबर को ही स्कूल-कॉलेज खोल दप्तिए थे। पाकिस्तान के नेशनल कमांड एंड ऑपरेशंस सेंटर की ओर से बताया गया कि पहले शुरुआती 48 घंटे में जो 22 संस्थान बंद किए गए उनमें से 16 खैबर पख्तूनखा इलाके के थे। सील किए स्कूल कॉलेजों में से पांच पाकिस्तान अधप्तिकृत कश्मीर और एक इस्लामाबाद का है। वहीं सिंध सरकार ने भी ऐसे 10 स्कूल कॉलेज सील किए जो कोविड 19 को लेकर जारी एसओपी को नहीं मान रहे थे जिसकी वजह से कोविड 19 केस भी रिपोर्ट हुए थे।

वहीं पाकिस्तान सरकार भी कोरोना संक्रमण पर काबू रखने को लेकर सख्ती बरत रही है। पाक सरकार ने स्कूल-कॉलेजों को पूरी गाइडलाइन के साथ खोला है और सख़्ती से पालन कर रही है। गौरतलब है कि कोरोना से बचाव के लिए पाकिस्तान सरकार ने इमारतों को पूरी तरह सैनिटाइज करने के साथ साथ सोशल डिस्टेसिंग के सभी पैरामीटर्स को सख्ती से मानने को कहा गया था। स्कूल-कॉलेज खुलने के दो हफ्ते बाद उन सभी का कोरोना टेस्ट होगा जो रेगुलर हैं-इनमें कर्मचारी, शप्तिक्षक और स्टूडेंट्स सभी को शामिल किया गया है। छात्रों या शप्तिक्षकों किसी को भी क्लास में मास्क उतारने की इजाजत नहीं है। कोई भी स्टूडेंट अपना कोई सामान आपस में साझा नहीं कर सकता। इसके अलावा स्कूल में प्रवेश करने पर थर्मल गन से टेंप्रेचर मापा जा रहा है।

थाईलैंड का ड्रैगन के खिलाफ नया कदम-चीन के साथ बड़ा प्रोजेक्ट किया रद्द, भारत को होगा फायदा

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन की विस्तावादी नीतियों और दादागिरी से तंग एक और देश ड्रैगन के खिलाफ खड़ा हो गया है। कभी चीन का करीबी दोस्त रहा यह देश थाईलैंड भी अब उससे दूरियां बनाने लगा है जिस कारण ड्रैगन की मुसीबत बढ़ सकती है। चीन को सबक सिखाने के लिए अब थाईलैंड क्वाड देशों यानि भार, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के साथ हाथ मिला सकता है। दरअसल थाईलैंड अपने एक प्रोजैक्ट से चीन को अलग कर दिया है। थाइलैंड अपने इस क्रा केनाल प्रोजेक्ट (क्रा नहर परियोजना) को तैयार करने के लिए अब भारत के अलावा अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया को कांट्रैक्ट दे सकता है। पहले ये कॉन्ट्रैक्ट चीन को दिया जाने वाला था। लेकिन अब यह प्रोजेक्ट किसके हिस्से आएगा, अभी यह तय नहीं है। फिलहाल चीनी कंपनियां इस रणनीतिक प्रोजेक्ट से बाहर होती नजर आ रही हैं। 10 दिन पहले थाईलैंड सरकार ने चीन से 2 सबमरीन्स की डील रद्द कर दी थी। बंगाल की खाड़ी में चीन थाईलैंड के लिए एक नहर बनाने की कोशिश में था। अगर यह नहर चीन बना लेता तो बहुत आसानी से वह हिंद महासागर तक पहुंच सकता था। यानी भारत के लिहाज से यह प्रोजेक्ट समुद्री सीमा सुरक्षा के लिए एक परेशानी बन जाता। भारत के अलावा कम्बोडिया और म्यांमार तक चीन की सीधी पहुंच हो जाती। माना जा रहा है कि भारत और अमेरिका के दबाव के चलते थाईलैंड सरकार ने चीन के साथ बंगाल की खाड़ी में यह नहर प्रोजेक्ट रद्द कर दिया। थाईलैंड सरकार की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि छोटे पड़ोसी देशों के हितों के मद्देनजर ये फैसला लिया गया है। इसमें कहा गया है कि म्यांमार और कम्बोडिया की सीमाएं चीन से मिलती हैं, थाईलैंड सरकार को लगता है कि चीन नहर के जरिए इन दोनों के हितों को प्रभावित कर सकता है। थाईलैंड सरकार ने घोषणा की है कि अब वह खुद इस प्रोजेक्ट को पूरा करेगी। यह नहर 120 किलोमीटर लंबी होगी। थाईलैंड के इस फैसले के बाद ये स्पष्ट नज़र आ रहा है कि दक्षिण चीन सागर में चीन के उग्र रवैये के बाद सभी देश उससे किनारा कर रहे हैं। चीन का दोबारा दावेदारों की लिस्ट में होना बस एक औपचारिकता है। थाई मीडिया थाईलैंड संसद में थाई नेशनल पावर पार्टी के सांसद सोंगलोड ने थाई सदन को जानकारी दी कि भारत, आस्ट्रेलिया, अमेरिका और चीन इस प्रोजेक्ट में उसका साथ देने की बात कह रहे हैं। सांसद ने बताया कि ये देश नहर प्रोजेक्ट को लेकर थाई सरकार के साथ मेमोरेंडम साइन करना चाहते हैं। सांसद ने यह भी जानकारी दी कि 30 से ज्यादा विदेशी कंपनियों ने इस प्रोजेक्ट को आर्थिक और टेक्नीकल सपोर्ट देने के लिए मंशा जाहिर की है। अगर यह प्रोजेक्ट भारत या भारत के किसी कंपनी के हाथ आता है तो चीन का दांव उल्टा पड़ जाएगा। चीन का दोबारा दावेदारों की लिस्ट में होना बस एक औपचारिकता है। थाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, थाईलैंड अब यह प्रोजेक्ट चीन को नहीं देगा।

मंजूरी के बाद 24 घंटों के भीतर बांटी जाएगी कोरोना वैक्सीन: ट्रंप

लॉस एंजलिस। पूरी दुनिया में कोरोना संक्रमण अभी भी तेजी से फैल रहा । इस बीच जहां रूस ने अपनी पहली कोरोना वैक्सीन का अपने नागरिकों में वितरण के लिए जारी कर दी है वहीं अमेरिका अपनी वैक्सीन की सफलता को लेकर पुख्ता दावे कर रहा है। अमेरिका भी महामारी की वजह से बेहाल है और यहां वैक्सीन पर तेजी से काम किया जा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कोरोना वैक्सीन को लेकर एक नई घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि कोरोना वायरस की वैक्सीन का विकास संयुक्त राज्य की सर्वोच्च प्राथमिकता है। ट्रंप ने कहा कि मंजूरी मिलने के बाद 24 घंटे के भीतर टीके का वितरण शुरू हो जाएगा। ट्रंप ने कहा है कि जैसे ही वैक्सीन को मंजूरी दी जाती है, प्रशासन इसे तुरंत अमेरिकी लोगों तक पहुंचाएगा। हर महीने लाखों की खुराक उपलब्ध होगी और हमें अप्रैल तक हर अमेरिकी के लिए पर्याप्त टीके होने की उम्मीद है। ट्रंप ने कहा कि वैक्सीन का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और हम बड़ी सफलता के साथ तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका के शानदार डॉक्टर और वैज्ञानिक एक कोरोना वैक्सीन का निर्माण करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं और 3 वैक्सीन क्लिनिकल ट्रायल के अंतिम चरण में हैं। ट्रंप ने आगे कहा कि सभी वैक्सीन उम्मीदवार सुरक्षा पर भारी जोर देने के साथ क्लिनिकल ट्रायल के सभी मानकों का पालन कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोगादिशु हवाई अड्डे पर मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त

मोगादिशु। सोमालिया की राजधानी मोगादिशु स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मालवाहक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चश्मदीदों ने यह जानकारी दी। हालांकि, तत्काल हादसे में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हो सकी। दुघर्टनास्थल की तस्वीरों में दिखाई दे रहा है कि विमान का कॉकपिट हवाई अड्डे पर बनी कंक्रीट की दीवार से टकरा गया है। यह समुद्र से महज कुछ कदम की दूरी पर है। सोमालिया के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने शनिवार को मोगादिशु के अदन अड्डे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान हादसे की पुष्टि की है। दुर्घटनागस्त विमान का परिचालन पड़ोसी देश केन्या की कंपनी सिल्वरस्टोन एयर करती है।

कैलिफोर्निया में भूकंप के झटके

कैलिफोर्निया। अमेरिका के दक्षिण कैलिफोर्निया में शुक्रवार देर रात 4.6 तीव्रता के भूकंप का झटका महसूस किया गया। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक भूकंप स्थानीय समयानुसार रात 11 बजकर 40 मिनट पर आया और इसका केंद्र लॉस एंजिलिस के नजदीक साउथ एल मोंटे से करीब तीन किलोमीटर दूर था। भूकंप की वजह से नुकसान या किसी के घायल होने की तुरंत कोई जानकारी नहीं मिली है।

अमेरिका: कॉलेज हाउस पार्टी दौरान गोलीबारी में छात्रा की मौत, 2 घायल

न्यूयार्क। अमेरिका के टेरे हौटे में कॉलेज हाउस पार्टी के आयोजन स्थल के बाहर हुई गोलीबारी में इंडियाना स्टेट यूनिवर्सिटी की 18 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। टेरे हौटे पुलिस प्रमुख शॉन कीन ने कहा कि गोलीबारी की घटना बृहस्पतिवार रात करीब दो बजे हुई। इसमें इंडियानापोलिस की रहने वाली वेलेंटीना डेल्वा को गोली लगी और उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि पार्टी में शामिल दो युवकों को भी गोली लगी। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कीन ने कहा कि जब डेल्वा को गोली लगी तब वह कार में आगे की सीट पर बैठी हुई थी। इंडियाना स्टेट यूनिवर्सिटी ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध हैं। टेरे हौटे, इंडियानापोलिस से लगभग 120 किलोमीटर पश्चिम में इलिनोइस सीमा के पास स्थित है। इंडियाना स्टेट यूनिवर्सिटी ने एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि काउंसलिंग सेवाएं उपलब्ध हैं। टेरे हौटे, इंडियानापोलिस से लगभग 120 किलोमीटर पश्चिम में इलिनोइस सीमा के पास स्थित है।

पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के तेज झटके

इंटरनेशनल डेस्क। दक्षिण पश्चिम प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित पापुआ न्यू गिनी में भूकंप के तेज झटके महसूस किए है। अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने शनिवार को बताया कि मोरेबे प्रांत की राजधानी लाए से 123 किलोमीटर दूर शुक्रवार को आए इस भूकंप की रिक्टर पैमाने पर तीव्रता 5.2 मापी गई है। सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप का केन्द्र 5.6076 डिग्री दक्षिणी अक्षांश और 147.0029 डिग्री पूर्वी देशांतर 136.85 किलोमीटर की गहराई में स्थित था।

कोविड-19: अक्तूबर में भी बंद रहेगी कनाडा-अमेरिका सीमा

टोरंटो। कनाडा ने कोरोना वायरस महामारी के कारण अमेरिकी सीमा को 21 अक्तूबर तक गैर-आवश्यक यात्रा के लिए बंद रखने का फैसला लिया है। लोक सुरक्षा मंत्री बिल ब्लेयर ने शुक्रवार को कहा कि कनाडाई लोगों को सुरक्षित रखने के लिए वे श्रेष्ठ लोक सुरक्षा सलाह के आधार पर फैसला लेना जारी रखेंगे। कोरोना वायरस के कारण 18 मार्च को घोषित की गई पाबंदियों को तब से हर महीने बढ़ाया जा रहा है। दुनिया में कोविड-19 के सर्वाधिक मामले अमेरिका में हैं, यहां संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। बीते कुछ हफ्तों से कनाडा में भी संक्रमण के मामले बढ़े हैं।यहां संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या भी सबसे ज्यादा है। बीते कुछ हफ्तों से कनाडा में भी संक्रमण के मामले बढ़े हैं।

कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर इन यूरोपीय देशों में लॉकडाउन की तरह के प्रतिबंध

मैड्रिड।

यूरोपीय देश स्पेन, फांस और ब्रिटेन में कोरोना वायरस (कोविड-19) महामारी की दूसरी लहर के मद्देनजर कुछ हिस्सों में लॉकडाउन की तरह के प्रतिबंध लगाए है। स्पेन के अधिकारियों ने शनिवार को राजधानी मैड्रिड के कुछ हिस्सों में कोरोना वायरस कोविड-19 मामलों की वृद्धि को रोकने के लिए लॉकडाउन की तरह प्रतिबंध लगाए जाने की घोषणा की। जानकारी के अनुसार लॉकडाउन का यह चरण सोमवार से लागू होगा और मैड्रिड क्षेत्र में आठ लाख 50 हजार से अधिक लोग इससे प्रभावित होगे। इस दौरान यात्रा और सामाजिक समारोहों पर प्रतिबंध होगा। स्पेन की सरकार ने कहा कि महामारी के पहले चरण में स्पेन यूरोप में कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित देशों में से था। स्पेन में अब कोरोना के छह लाख 25 हजार 651 मामले है और मैड्रिड और आसपास संक्रमण होने औसत दर दोगुने से अधिक है। सर्दियों में महामारी की दूसरी लहर शुरु होने से पहले देश स्वयं तैयारी कर रहे है। स्पेन के अलावा अन्य यूरोपीय देश फांस में कोरोना के मामलों की संख्या में वृद्धि देखी गई है और शुक्रवार को यहां एक दिन मे रिकाड 13,215 नए मामले दर्ज किए। वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर भी कोरोना संक्रमितों में शामिल है। मार्सिले और नीस सहित कई शहर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं। ब्रिटेन में शुक्रवार को कोरोना वायरस से 27 मौतें हुई और 4,322 नए मामले दर्ज किए गए। प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने चेतावनी देते हुए कहा कि एक दूसरी लहर अभी 'अपरिहार्य है। इंग्लैंड के उत्तर के बड़े हिस्से अब लॉकडाउन उपायों लागू किए गए हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लखनऊ में हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट का पर्दाफाश-पुलिस ने 7 युवतियों समेत 12 को किया गिरफ्तार

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में हाईप्रोफाइल सेक्स रैकेट का पर्दाफाश हुआ है। पुलिस ने शिवाजीपुरम स्थित शिवानी विहार के एक घर से 7 युवतियों और पांच पुरुष को रंगे हाथों गिरफ्तार कर लग्जरी वाहन, मोबाइल, आपत्तिजनक सामान और कुछ नकदी बरामद की है। प्रभारी निरीक्षक क्षितिज त्रिपाठी के मुताबिक इस घर में आसपास के जिलों के अलावा मध्यप्रदेश, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, मुंबई से युवतियां बुलाई जाती थीं।

लॉकडाउन के दौरान जहां लोग अपने घरों में कैद थे लेकिन इस मकान में सेक्स रैकेट का अवैध कारोबार फलफूल रहा था। स्थानीय लोगों ने बताया कि यहां रोज रात में गाड़ियां आती थी। सुबह होते ही गायब हो जाती थी।

इस दौरान स्थानीय लोगों ने आपत्ति भी की लेकिन पंकज की दबंगई के आगे एक न चली। आरोप है कि पंकज लोगों को अपनी ऊंची पहुंच की धौंस देकर चुप करा देता था। एडीसीपी उत्तरी राजेश श्रीवास्तव के मुताबिक शिवानी विहार में सेक्स रैकेट

पीड़िता ने डीएम एसपी को शिकायती पत्र देकर मामले में उठाई कार्यावाही की मांग

पुरानी रंजिश के चलते पत्नी ने 5 पर लगाया पति की हत्या करने का आरोप, थानेदार पर भी सुनवाई न करने व दुत्कार कर भगाने का लगाया आरोप

ललितपुर(एजेंसी) गांव के एक दबंग परिवार ने गांव के ही एक गरीब तबके के व्यक्ति को अपने घर पर लकड़ी काटने की मजदूरी के बहाने बुलाया। बुलावे पर वह मजदूर मजदूरी करने के लिए तो गया लेकिन अपने घर वापस नहीं लौटा। थोड़ी देर बाद दबंग परिवार का एक व्यक्ति मजदूर के घर पर आया और उसके पिता को यह कहकर अपने घर बुलाकर ले गया कि उसके पिता किसी काम के लिए उसे बुला रहे हैं और जब मजदूर के पिता ने उसके घर जाकर देखा तो वहां पर उसका पुत्र मृत अवस्था में जमीन पर पड़ा हुआ था। जिसके बाद उसने उक्त मामले में पुलिस से गुहार लगाई लेकिन पुलिस ने गरीब परिवार को समझा–बुझाकर वहां से चलता कर दिया। लेकिन आरोपी के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं की जिसके बाद पीड़ित परिवार ने जिला मुख्यालय पर डीएम एसपी को शिकायती पत्र देकर मामले में कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग उठाई। हाल ही में ताजी घटना कोतवाली महरौनी क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम अंडेला की है।

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम अंडेला निवासी मृतक मजदूर जसवंत लोधी की पत्नी श्रीमती

चांदनी देवी ने डीएम एसपी को लिखित रूप से शिकायती पत्र देकर अवगत कराया कि गत 18 सितंबर को सुबह करीब 10:00 बजे गांव का ही दबंग महेंद्र पुत्र सुमरन उसके घर आया और उसके पति यशवंत को मजदूरी के बहाने अपने घर ले गया। जिसके बाद वह घर बापिस नहीं लौटा और उसके घर पर उसके पति की लाश मिली। जब उक्त घटना के संबंध में कोतवाली महरौनी में शिकायती पत्र दिया तब पुलिस ने कोई कार्यवाही नहीं की अलबत्ता समझा–बुझाकर वहां से चलता कर दिया। जिसके बाद पीड़िता और उसके जेठ ने डीएम एसपी को एक रुप से शिकायती पत्र देखा मामले में कार्यवाही की मांग उठाई।

इस घटना के संबंध में मृतक की पत्नी चांदनी ने बताया कि उसकी रंजिश गांव के ही दबंग महिंद्र के साथ इसलिए चल रही थी कि वह उस पर बुरी नजर रखता था। जिसको लेकर उसने कई बार आपत्ति दर्ज कराई जिसके बाद महेंद्र की पत्नी ने उसे कई बार उसके पति को जान से मारवाने की धमकी भी दी। तो वहीं मृतक के भाई का आरोप है कि जब हैं अपने भाई की मौत की सूचना पाकर दबंगों के घर पहुंचा तो वहां पर गांव के ही महेंद्र राघवेंद्र पुत्रगण सुमरन और हनुमत जनक पुत्रगण भजनलाल घटनास्थल पर मौजूद थे। उसने जब अपने भाई को उठाकर देखना चाहा तब वहां मौजूद किसी भी व्यक्ति ने उसे अपने भाई को छूने तक नहीं दिया और कह दिया कि उनकी मौत अपने आप ही हुई है। जबकि हमें ऐसा लगता है कि उन लोगों ने उसके भाई को अपने घर बुला कर मार डाला उसकी हत्या कर दी।

क्योंकि महेंद्र और उसकी पत्नी उसके भाई से रंजिश रखती थी। इस मामले में अब देखने वाली बात यह होगी कि दर दर भटकते पीड़ित को न्याय मिलता है यह इस मामले को यूं ही ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

भाभी से दुष्कर्म में विफल होने पर डाला तेजाब, फिर की आत्महत्या का प्रयास

लखीमपुर (एजेंसी)। जिले में शनिवार सुबह एक देवर ने अपनी भाभी को घर में अकेला पाकर उसके साथ दुष्कर्म का प्रयास किया। भाभी के विरोध करने पर देवर ने उसके ऊपर तेजाब डाल दिया। इससे महिला गले और चेहरे के पास झुलस गई। पुलिस ने मामले की एफआइआर दर्ज कर ली है। वहीं, दोपहर में आरोपित ने भी फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया, जिसका इलाज चल रहा है।

जानकारी के मुताबिक जिले के थाना निघासन क्षेत्र में एक विवाहिता रसोईघर में खाना बना रही थी। तभी पीछे से आए देवर ने दुष्कर्म का प्रयास किया। घटना के समय महिला का पति गांव में ही कहीं गया था। महिला के विरोध करने पर देवर ने उसके ऊपर तेजाब फेंक दिया।

महिला का सीएससी में उप. चार कराया गया है। उसकी हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है। पीड़ित महिला ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की तो परिवारजन समझौते की कोशिश करने लगे। इसी बीच दोपहर में आरोपित ने गांव के पास ही एक बाग में फांसी लगाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया।

उसे गंभीर हालत में निघासन सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नाबालिग लड़की को बंधक बनाकर गैंगरेप, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

बस्ती (एजेंसी)। जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र की एक नाबालिग लड़की को दो लड़के बहलाकर लखनऊ ले गए। वहां एक कमरे में बंद रखा और दोस्तों के साथ गैंगरेप किया। लखनऊ पुलिस की मदद से 18 सितंबर को गांव पहुंची पीड़िता ने परिवारीजनों के साथ थाने पर पहुंचकर तहरीर दी। पीड़िता की तहरीर पर दो नामजद व तीन अन्य अज्ञात के खिलाफ गैंगरेप और पोक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया। म.हिला पुलिस की अभिरक्षा में पीड़िता को मेडिकल के लिए भेजा गया है।

प्राप्त विवरण के मुताबिक इंटर तक की पढ़ाई करने के बाद घर पर ही रह रही 17 वर्षीय पीड़िता ने तहरीर में बताया है कि सात सितम्बर को दुबौलिया थाना क्षेत्र का रहने वाला अजय और रेहान उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ

क्रांति समय फाउंडेशन (NGO)

लखनऊ ले गए। यहां चिनहट क्षेत्र के किसी मकान के कमरे में रखा। इसके बाद तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर उसके साथ सामुहिक दुष्कर्म किया। विरोध करने पर मारते–पीटते और जानमाल की धमकी दी। पीड़िता के साथ मारपीट के दौरान शोर मचाने पर मकान मालिक ने हस्तक्षेप किया और लखनऊ पुलिस को सूचना दे दी। पीड़िता के परिजनों के अनुसार लखनऊ से आई पुलिस टीम ने 18 सितंबर को उसे घर पहुंचाया। पुलिस के जाने के बाद पीड़िता ने आपबीती घरवालों को बताई।

इसके बाद दुबौलिया थाने पर पहुंचकर पीड़िता ने तहरीर दी। दुबौलिया पुलिस मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश में जुट गई है।

पोस्को एक्ट का आरोपी 4 हजार का इनामी पकड़ा

अलीगढ़ (एजेंसी)। थाना गौंडा पुलिस ने पोस्को एक्ट में वांछित इनामी अपराधी को तमंचा सहित गिरतार किया है।

थानाध्यक्ष गोंडा संदीप कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने कुक्कू उर्फ दिनेश पुत्र जोगेन्द्र सिंह जाट निवासी सोनोठ थाना गोंडा को मय एक तमंचा 315 बोर मय एक जिन्दा कारतूस 315 बोर सहित एच0आर0 इण्टर कालेज के गेट के पास से गिरतार कर लिया गया है।

पुलिस द्वारा पकड़ा गया आरोपी

पकड़ा गया आरोपी कुक्कू उर्फ दिनेश डींग जिला भरतपुर, राजस्थान से पोस्को अधिनियम मे वाँछित है। जिस पर 4000 रुपये का पुरूस्कार घोषित है।

रास्ते के विवाद में पिता-पुत्र पर बरसाई गोलियां, बेटे की मौत

जौनपुर (एजेंसी)। जिले में रास्ते के विवाद में पिता–पुत्र पर उनके पड़ोसियों ने गोलियां बरसा दीं। हमले में पुत्र की मौत हो गई। जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक घटना जिले के शाहगंज कोतवाली थाना क्षेत्र के भरौली गांव की है। पूरी वारदात का वीडियो भी आसपास मौजूद लोगों ने बनाया है। इस वीडियो में हाथ में पिस्टल लिए एक लड़के से तीन–चार लोग छीना–छपटी करते दिख रहे हैं। इसी दौरान लड़का गोली चला देता है जो उसे रोकने का प्रयास कर रहे एक अन्य लड़के को लगती है। वह वहीं गिर जाता है। वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। बताया जाता है कि गांव के निवासी इश्तियाक का अपने पड़ोसी से रास्ते को लेकर विवाद था। उनके बीच पुरानी रंजिश चली आ रही थी। शुक्रवार को भी इसे लेकर झगड़ा हुआ था। पुलिस तक मामला पहुंचा लेकिन कोई हल नहीं निकला। पुलिस ने कोई खास कार्रवाई भी नहीं की।

शनिवार को सुबह साढ़े 10 बजे एक बार फिर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हो गया। इसी बीच एक पड़ोसी ने निजी असलहे से ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। गोलियां इश्तियाक और उसके बेटे ओसामा को लगीं। उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने ओसामा को मृत घोषित कर दिया। इश्तियाक को पेट और गले में गोली लगी है। हालत गं.भीर बताई जा रही है। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

थाना औरास में आयोजित थाना दिवस का किया निरीक्षण तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेविल वन कोविड अस्पताल औरास का किया निरीक्षण’

प्रकाश शुक्ला

उन्नाव,जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार पुलिस अधीक्षक श्री आनन्द कुलकर्णी ने सयुक्त रूप से ब्लाक औरास के थाना औरास में आयोजित थाना दिवस का निरीक्षण किया। थाना दिवस में आये हुये फरियादियों के बारे

में जानकारी हासिल की।

जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारियों को आदेश जारी करते हुये कहा कि राजस्व वादों के छोटे–छोटे मसलो को निपट.ाने के लिये प्रथम तथा द्वितीय शनिवार को किस–किस लेखपाल की ड्यूटी सम्बन्धित थानों में रहेगी इसका रोस्टर जारी कराया जाये। उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि गांव में घूरा, नाली, खड्जा, मेंड़ आदि की समस्याओं एवं घटनाओं को लेकर गम्भीर रहे। क्योंकि कभी–कभी अनदेखी काफी विक.राल समस्या बन जाती है। प्रयास किया जाये कि सम्बन्धित लोग मौका मुआईना कर न्याय पंचायत स्तर पर शिविर लगाकर विवाद हल कराये जाये।

जिलाधिकारी ने भम्रण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेविल वन कोविड अस्पताल औरास का निरीक्षण किया। डा0 वी0के0 गुप्ता नोडल अधिकारी को निर्देश दिये कि कोविड–19 के तहत आये हुये संक्रमित व्यक्तियों का अधिक से अधिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहे। उन्हें समय से नाश्ता, खाने की व्यवस्था ठीक रखी जाये। जिलाधिकारी ने उपस्थित चिकित्साधिकारियों से कहा कि ऑक्सीजन की कमी न रहने पाये। स्वास्थ्य कर्मियों के रहने , खाने एवं उनके दायित्वो के निर्वाहन के बारे में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

प्रवासन उधोग में अच्छी सुविधा के लिये नगर निगम ने जारी किया निर्देश

कानपुर नगर,पर्यटक अधिकारी मोहित कुमार ने बताया है कि पर्यटकों को भ्रमणार्थ तीन मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता होती है यथा–आवास, जलपान एवं मार्गीय सुविधा जो पर्यटन उद्योग के अन्तर्गत आते है।

पर्यटन विभाग का प्रमुख उद्देश्य पर्यटको हेतु उक्त सुविधाओं को प्रदान किया जाना है, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलें तथा पर्यटन स्थलों का विकास एवं प्रचार–प्रसार हो सके।

हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के अन्तर्गत होटल उद्योग को प्रोत्साहन दिए जाने हेतु पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने अपने पोर्टल www.hotelcloud.nic.inपर सभी अवर्गीकृत (नद.बसेंपपिमक) होटलो, लॉजों, गेस्ट हाउसों, पेइंग गेस्ट हाउसों, बेड एण्ड ब्रेकफास्टहोम होम आदि अन्य आवासीय ईकाइयों को उक्त पोर्टल पर संकलित कराये जाने हेतु सभी प्रदेशों का निर्देश जारी किये है।

पर्यटन विभाग के पास सभी आवास गृहों की संकलित सूचना होने से भविष्य में होटल उद्योग के लिए कारगर रणनीति बनाये जाने तथा उसका प्रचार–प्रसार किये जाने में सहायक सिद्ध होगा।

इसी क्रम में नेशनल डाटा बेस के अन्तर्गत पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के पोर्टल www.hotelcloud.nic.inपर पूरे देश में अभी तक लगभग 22 हजार से अधिक आवासीय ईकाइयां अपलोड हो चुकी हैं

तथा उत्तर प्रदेश की 2,380 आवासीय ईकाइयां उक्त पोर्टल पर अपलोड हो चुकी हैं। यह जानकारी अत्यधिक महत्वपूर्ण है

कि अपलोड हुयी प्रत्येक आवासीय ईकाई को पोर्टल पर एक रजिस्ट्रेशन नम्बर प्रदान किया जा रहा है तथा होटलों आदि आवासीय ईकाइयों के अपलोड कराने की सतत प्रक्रिया अभी भी जारी है।

प्रदेश के विभिन्न जनपदों के अवर्गीकृत (नदबसेंपपिमक) होटल. लॉज, गेस्ट हाउस. पेइंग गेस्ट हाउस बेड एण्ड ब्रेकफास्ट, होम स्टे आदि अन्य आवासीय ईकाइयां जो अभी तक पोर्टल पर पंजीकरण करने से वांछित रह गयी हैं,

वे ईकाइयां स्वयं अपने स्तर से भारत सरकार के पोर्टल www.hotelcloud.nic.in पर अपने आवास गृह को पंजीकृत कर सकती है।

इस सम्बन्ध में अधिक जानकारी पर्यटन विभाग के मनीष श्रीवास्तव, अपर सांख्यिकीय अधिकारी (मु0)/स्टेट नोडल अधिकारी उ0प्र0, (मो0 न0–9616603455) से प्राप्त की जा सकती है।

सार–समाचार

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कानपुर(घाटमपुर) साढ थाना क्षेत्र के कस्बा निवासी कुलदीप अवस्थी का एकलौता 25 वर्षीय पुत्र कमल अवस्थी ने बीती देर रात संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली , वही युवक के शव को लटका देख पूरे परिवार में कोहराम मच गया।परिजनों ने इस घटना की जानकारी पुलिस को दी।सूचना पर पहुची पुलिस ने युवक के शव को नीचे उतारकर पा.स्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताते चले गाँव का रहने वाला युवक कमल ने बीती देर रात अज्ञात कारणों से अपने मकान के दुमंजिला इमारत के कमरे में छत पर लगे फंखे से रुप्पटे के सहारे से फांसी लगा ली। पिता कुलदीप अवस्थी ने बताया मैं कल कानपुर गया था देर वहाँ से वापस आकर प्रति दिन की भांति खाना खा कर सो गया और सुबह उठ कर अपने काम काज में लग गया तभी मैन देखा कि इतनी सुबह हो गई और कमल अभी जगा नही तो मैंने आवाज लगाई कोई रिप्लाई नही मिला तो मैंने ऊपर जा कर देखा तो कमरे में उसका शव लटक रहा था इतना देख पिता के पैरों तले जमीन खिसक गई धीरे धीरे पड़ोसियों की भीड़ लगनी शुरू हो गई और गाँव मे अचानक मातम छा गया।

'परिवार में मचा कोहराम'

शादी समारोह के लिए 500 लोगो की परमिशन सरकार दे- आलोक बाबू अग्रवाल

कानपुर । राष्ट्रीय जन उद्योग व्यापार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष आलोक बाबू अग्रवाल का सरकार से कहना है कि अगर संख्या से दुगनी जगह होती है तो काम करने में आसानी हो जाएगी और लोग आपस ना रह कर थोड़ी दूरियाँ बनी रहेगी।7 महीने से केटरिंग का व्यापार और इससे जुड़े सारे व्यापार ठप पड़े है ।जिससे कि सभी व्यापरी भाइयो को अपने घर का पालन पोषण करना मुश्किल हो रहा ह।जब सरकार 30 दिन बाजार खोल सकती है ।मॉल खोल सकती है तो केटरिंग,टेंट फोटो ग्राफर,और भी जुड़े हुए व्यपारियो को घर चलाना मुश्किल हो रहा है।मेरी सरकार से गुजारिश है कि इसको ध्यान में रखते हुए 500 व्यक्ति की गेदरिंग खोलने की अनुमति दे।जिससे कैटरिंग, फोटोग्राफर , टेन्ट, माली ,गेस्ट हाउस , डेकोरेशन एव लेवरो का परिवार भूख प्यास से ना मरेऔर लोगो का परिवार चल सके । यदि सरकार अनुमति प्रदान करती है ।यह सभी परिवार सरकार का ऐसान मानेंगे।

मृतक की मौत से रुष्ट परिजन पहुँचे ज्ञापन देने एस पी कार्यालय

उन्नाव, गंगाघाट थाना अंतर्गत महेश खेड़ा के निकट ईटा लदा ट्रेक्टर ट्राली पलट जाने से हुई मजदूर की मौत में पुलिस कार्यवाही से त्रस्त परिजनो ने एस पी आफिस के सामने किया प्रदर्शन।

फोटो:ज्ञापन लिए परिजन।

महिला थाना मे नियुक्त महिला कर्मचारियों की हुई करोना टेस्टिंग

उन्नाव, महिला थाना में नियुक्त कुल 28 महिला कर्मचारियों की कोविड–19 टेस्ट कराया गया जिसमें 2 महिला कांस्टेबल कोरोना पॉजिटिव पाई गई जिन्हें होम को रॉन्टेन कराया गया तथा समस्त कर्मचारियों को सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए जागरूक किया गया।

समाधान दिवस की फिर हुई शुरूआत

सदर उन्नाव कोविड के चलते बन्द किये गये समाधान दिवस

को आज फिर से थाना समाधान दिवस का पुनः प्रारंभ किया गया।जिसकी अध्यक्षता उन्नाव डी एम रवीन्द्र कुमार व उन्नाव के नवीन एस पी ने की।

गोली लगने से युवती की मौत

कानपुर(घाटमपुर)जवाहर नगर पूर्वी में संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से बीएससी छात्रा की हुई मौत हो गई ।बता दें कि घाटमपुर कस्बे के जवाहर नगर पूर्वी में संदिग्ध परिस्थितियों में बीएससी की छात्रा की गोली लगने से मौत हो गई जिसके बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया घाटमपुर कस्बे के जवाहर नगर पूर्वी निवासी नरेंद्र सिंह की पुत्री दीक्षा की संदिग्ध परिस्थितियों में गोली लगने से मौत हो गई इसके बाद पूरे परिवार में कोहराम मच गया इस घटना की जानकारी स्थानीय लोगों द्वारा पुलिस को दी गई हालांकि सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

गोंडा (एजेंसी)। जिले के खोंडारे थाना क्षेत्र के अन्तर्गत एक महिला से दुष्कर्म के आरोपी युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। थाना क्षेत्र के एक गांव की निवासी महिला अपने बच्चों के साथ मायके से ससुराल जा रही थी। रास्ते में गांव के ही एक युवक ने उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। पीड़िता के ससुर की तहरीर पर स्थानीय थाने में एक युवक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। आरोपी युवक विक्रम को गिरफ्तार कर लिया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रायडू की तूफानी पारी, चेन्नई सुपर किंग्स 5 विकेट से जीता

अबू धाबी (एजेंसी)। रायडू की तूफानी की बदौलत शुरुआती विकेट जल्दी गिर जाने के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल के कोरोना सीजन के पहले मैच में मुम्बई इंडियंस को 5 विकेट से पराजित कर श्री गणेश किया। प्रारंभिक बल्लेबाज शेन वॉटसन और मुरली विजय सस्ते में लौट गये इसके बाद अंबाती रायडू और फैफ डु प्लेसिस की साझेदारी की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने 5 विकेट से मैच जीता।

इससे पहले चेन्नई ने टॉस जीतकर मुंबई को बल्लेबाजी का आमंत्रण दिया। रोहित शर्मा और क्विंटन डी कॉक ने पहले विकेट के लिए 28 गेंदों में तेजी से 46 रन जोड़े लेकिन पीयूष चावला की एक गेंद पर रोहित शर्मा सैम करन को कैच थमा बैठे। उन्होंने 10 गेंदों में दो चौके की सहायता से 12 रन बनाए। इसके बाद सूर्यकुमार यादव के साथ मिलकर डी कॉक ने तेज पारी खेलने की कोशिश की लेकिन छठ में ओवर में सैम करन की पहली गेंद पर शेन वॉटसन ने उन्हें लपक लिया। उन्होंने 20 गेंदों में पांच चौके की सहायता से 33 रन बनाए। सूर्यकुमार कुमार यादव दीपक चहर द्वारा सैम करन को लपकवा दिया गए। उन्होंने 17 रन बनाए। दूसरे छोर पर टिके सौरभ तिवारी ने 31 गेंदों में 42 रन की तेज पारी खेली उन्होंने तीन चौके और एक छक्का मारा रवींद्र जडेजा की एक गेंद पर उन्हें फाफ डू प्लेसिस ने लपक लिया। हार्दिक पंड्या 2 छक्के मारने के बाद तेज खेल रहे थे लेकिन जडेजा ने उन्हें भी डुलेसी के हाथों कैच करा दिया। पोलार्ड को विकेट के पीछे लुंगी एनगिडी की गेंद पर कप्तान धोनी ने लपक लिया। उन्होंने 14 गेंदों में 1 चौके और एक छक्के की सहायता से 18 रन बनाए। निचले क्रम के बल्लेबाज ज्यादा रन नहीं बना सके। ट्रेंट बोल्ट शून्य पर आउट हुए।

चेन्नई की तरफ से लुंगी एनगिडी ने 38 रन देकर तीन विकेट लिए। दीपक चहर और जडेजा को दो–दो विकेट मिले। पीयूष चावला तथा श्याम करण ने एक–एक विकेट लिए। चेन्नई को जीत के लिए 163 रन की दरकार है।

गोधरा में 325 करोड़ की लागत से बनेगी नई मेडिकल कॉलेज

अहमदाबाद केन्द्र सरकार ने पंचमहल जिले के गोधरा में 325 करोड़ की लागत से नई मेडिकल कॉलेज बनाने की मंजूरी प्रदान कर दी हैद्य इससे पहले नर्मदा के राजपीपला, नवसारी और पोरबंदर में नई मेडिकल कॉलेज बनाने की केन्द्र सरकार हरी झंडी दे चुकी है।

उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि केन्द्र सरकार ने गोधरा में नई मेडिकल कॉलेज बनाने की मंजूरी दी है। सरकार और 40 प्रतिशत रकम राज्य सरकार खर्च करेगीद्य नि. तिन पटेल ने बताया कि गोधरा के जिला सरकारी अस्पताल को भी अपग्रेड किया जाएगा और वह इसी खर्च में हो जाएगाद्य गोधरा में नई मेडिकल कॉलेज शुरू होने से 100 विद्यार्थियों को मेडिकल सीट लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि 2 और मेडिकल कॉलेज की दरखास्त केन्द्र सरकार में विचाराधीन है। जिसमें एक मोरबी और दूसरी खंभालिया में मेडिकल कॉलेज शुरु करने की गुजरात सरकार ने पेशकश की है।

नितिन पटेल ने बताया कि फिलहाल राज्य के विभिन्न जिलों में 33 मेडिकल कॉलेज कार्यरत हैं और गोधरा में नई कॉलेज के निर्माण से नई मेडिकल कॉलेज पर रु. 325 करोड़ खर्च होंगे।

जिसमें 60 प्रतिशत भारत 100 और सीटें बढ़ने से राज्य में कुल 6000 से ज्यादा मेडिकल सीट उपलब्ध होंगी।

चोरी की 23 मोटर साइकिलों के साथ दो चोर गिरफ्तार

सूरत क्राइम ब्रांच ने दो ऐसे शख्सों को चोरी की 23 मोटर साइकिलों के साथ गिरफ्तार किया है जिनकी मोडस ऑपरेन्डी जानकार पुलिस भी हैरान भी है। सूरत पुलिस आयुक्त अजय तोमर के आदेश पर शहर पुलिस वाहन चोरी के मामलों को सुलझाने में लगी हुई है। इस बीच सूरत क्राइम ब्रांच ने पूर्व सूचना के आध ार पर कपड़ा दलाल और डायमंड की ऑफीस में काम करने वाले दिव्येश मधुभाई पटोलिया समेत रिकेश रमेशभाई मानगरोलिया को वाहन चोरी के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। दिव्येश और रिकेश के पास से क्राइम ब्रांच ने चोरी की 23 मोटर साइकिलें भी बरामद की हैं। इसके अलावा आरोपियों के पास से क्राइम ब्रांच ने दो मोबाइल, फर्जी 21 मास्टर कार्ड आरसी बुक और पांच मास्टर की समेत कुल 6 लाख रुपए से अधिक का मालसामान भी जब्त किया हैद्य जांच में पता चला कि आरोपी ऑएलएक्स पर बिक्री के लिए रखी गई मोटर साइकिल का स्नेप शोट और आरसी बुक डाउनलोड करते और उसके आध ार पर फर्जी स्मार्ट कार्ड आरसी बुक बना लेते। जिसके बाद बड़ी सरलता से फर्जी आरसी बुक के साथ चोरी की मोटर साइकिलें बेच देते थे।

मंदिर के पुजारियों और कर्मकांडी ब्राह्मणों को आर्थिक सहायता कर सकती है सरकार

वैश्विक महामारी कोरोना और लॉकडाउन का असर प्रत्येक वर्ग पर हुआ है, जिससे राज्य के मंदिरों के पुजारी और कर्मकांडी ब्राह्मण भी अछूते नहीं है। जानकारी है कि मंदिरों के पुजारी और कर्मकांडी ब्राह्मणों के लिए राहत पैकेज पर राज्य सरकार विचार कर रही है। कोरोना महामारी से उत्पन्न स्थिति पर विचार के बाद पवित्र यात्राधाम विकास बोर्ड ने सर्वे शुरू किया है और प्रत्येक जिला कलेक्टरों को पत्र लिखकर मंदिर के पुजारी और पूजापाठ कर जीवनयापन करते ब्राह्मणों का ब्यौरा निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। इससे पहले सामाजिक और राजनीतिक दलों के नेताओं ने राहत पैकेज देने की मांग की थी। माना जा रहा है कि सर्वे के आधार पर आगामी समय में गुजरात सरकार मंदिर के पुजारी और कर्मकांडी ब्राह्मणों को आर्थिक सहायता करने पर विचार कर सकती है। बता दें कि इससे पहले राज्य सरकार कई राहत पैकेज का ऐलान कर चुकी है।

प्रशासनिक क्षेत्र में कुशल मानवबल के निर्माण में विशेष योगदान देगा गुजरातः मुख्यमंत्री

गुजरात यूनिवर्सिटी और जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन की ओर से शुरू किए गए यूपीएससी प्रशिक्षण केंद्र का ई-लोकार्पण

अहमदाबाद मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने स्पष्ट मत प्रकट किया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'नया भारत–आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प और राम राज्य की संकल्पना को साकार करने के लिए प्रशासनिक क्षेत्र में उच्च गुणवत्ता युक्त कुशल मानवबल की जरूरत को पूरा करने में गुजरात विशेष योगदान देगा। शनिवार को अहमदाबाद गुजरात यूनिवर्सिटी और जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन (जिओ) की ओर से शुरू किए गए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) प्रशिक्षण केंद्र 'प्रज्ञा पीठम' का गांधीनगर से ई–लोकार्पण करते हुए उन्होंने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात हर क्षेत्र में प्रगति के पथ पर सबसे आगे है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास की रा. जनीति से सुशासन के जरिए देश में विकास के नए मील के पत्थर स्थापित किए हैं। इस मकसद से बेहतर प्रशासकों के निर्माण के लिए गुजरात यूनिवर्सिटी और जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन (जिओ) का यूपीएससी ट्रेनिंग सेंटर युवाओं को एक बड़ा अवसर प्रदान करेगा। सेंटर के ई–शुभारंभ के अवसर पर जैनाचार्य पूज्य गुरुदेव नयपद्मसागर जी महाराज साहेब और विदूषी आर्या साध्वी मयणाश्री महाराज साहेब, शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा, राज्य मंत्री विभावरीबेन दवे और शिक्षा विभाग की प्रधान सचिव अंजु शर्मा भी वीडियो लिंक के जरिए जुड़े थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी परंपरा उपनिषद से उपग्रह तक समन्वयकारी है। इसलिए सुशासन और सेवा कार्यों में सृष्टि के कल्याण, जीवदया और करुणा के अनोखे संस्कार के साथ आध ुनिक युग के नए अविष्कारों व अनुसंधानों से मानव जाति के कल्याण का विचार हम करते हैं। उन्होंने कहा कि इसी पथ पर चलते हुए 'नया भारत–आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण का रास्ता बनेगा और उसके लिए ज्ञान–कौशल और विकास से राष्ट्र व राज्य की सेवा में समर्पित होने जिओ एक माध्यम बना है। मुख्यमंत्री के सेवा कार्यों का उच्च गुणवत्ता युक्त मानवबल तैयार कर उनकी सेवाओं का लाभ राष्ट्र–निर्माण के लिए प्रेरित करने में ऐसे प्रशिक्षण केंद्र अहम साबित होंगे। रूपाणी ने भरोसा जताया कि अगली सदी भारत की सदी होगी। सभी के कल्याण के लिए, हाशिये पर खड़े व्यक्ति के उत्थान के लिए युवा शक्ति को उच्च सेवा में जोड़ने के लिए ऐसे प्रशिक्षण केंद्र सही समय पर उठाया गया सही कदम है। शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूड़ास्मा ने इस घटना को ऐतिहासिक और यादगार करार देते हुए कहा कि गुजरात ने युवाओं के कौशल को नई दिशा देने की अनेक पहल मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के मार्गदर्शन में की है। इस संदर्भ में उन्होंने स्टूडेंट स्टार्टअप इनोवेशन पॉलिसी, अटल लैब रैंकिंग और स्टार्टअप रैंकिंग में गुजरात के देशभर में शीर्ष पर रहने का उल्लेख किया।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि गुजरात यूनिवर्सिटी और जैन इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से शुरू हुआ यह यूपीएससी प्रशिक्षण केंद्र समाज की पीड़ा और दर्द को समझकर उसका निवारण कर सके ऐसी युवा शक्ति को उच्च सेवा में जोड़ने का एक सशक्त मंच बनेगा। चूड़ास्मा ने कहा कि धर्म संस्था और धार्मिक संस्थाओं का यह समन्वय संस्कारी अधिकारियों का निर्माण करेगा।

पूज्य आचार्य नयपद्मसागर मह. राज साहेब ने इस बात पर आनंद व्यक्त किया कि युवाओं को संस्कार के साथ उच्च गुणवत्ता युक्त कौशल विकास से राष्ट्र व राज्य की सेवा में समर्पित होने जिओ एक माध्यम बना है। मुख्यमंत्री के सेवा कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विजय रूपाणी एक संवेदनशील शासनकर्ता के तौर पर जीव मात्र के कल्याण की इच्छा रखते हैं। विदूषी आर्या साध्वी मयणाश्री मह. राज साहेब ने गुजरात की भूमि पर हो रहे पुण्यशाली कार्यों और विशेषकर नारी शक्ति को उच्च शिक्षा एवं उच्च प्रशिक्षण के अवसर मुहैया कराने के लिए राज्य शासन व मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ की पूरी तैयारी से लड़ने का जो मार्ग गुजरात ने श्री विजयभाई के नेतृत्व में चुना है, वह भी आज लोगों के बीच चर्चा का विषय बना है और उस मार्ग का अनुसरण किया जा रहा है।

उन्होंने शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सदकार्यों में संत शक्ति के आशीर्वाद और सहयोग से मानव जाति के कल्याण के कार्यों में भी गुजरात आगे रहेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने पार्क फॉर इंडस्ट्रियल एक्सटेंशन एंड रिसर्च प्रोजेक्ट, डॉ. अब्दुल कलाम सेंटर फॉर एक्सटेंशन रिसर्च एंड इनोवेशन, इंस्टीट्यूट ऑफ डिफेंस स्टडीज एंड रिसर्च और सेंटर फॉर कम्प्यूटेशनल स्टडीज का ई–लॉन्च किया।

निजी स्कूलों में 50 प्रतिशत शुल्क माफी के लिए अभिभावकों की डीईओ से पेशकश

सूरत : ऑडिट रिपोर्ट स्कूल की वेबसाइट, नोटिसबोर्ड पर सार्वजनिक की जाए

निजी स्कूलों की फीस के संबंध में गुजरात हाईकोर्ट के आदेश के बाद अभिभावक मंडल द्वारा 50 प्रतिशत फीस माफी की मांग की गई है। हाईकोर्ट ने राज्य सरकार पर फीस तय करने के संबंध में निर्णय छोड़ा है। सूरत के अभिभ. ावक मंडल ने जिला शिक्षा अधि. कारी को ज्ञापन दिया है। ज्ञापन देकर पेशकश की गई है कि शहर की निजी स्कूलें 50 प्रतिशत फीस माफी घोषित करें। कोरोना की महामारी में अभिभावक मंडल ने मांग की है कि ट्रस्ट संचालित स्कूलें 50 प्रतिशत फीस की माफी की घोषणा करें।

गुजरात में लगातार दूसरे दिन 1400 से ज्यादा नए केस, 1470 ठीक हुए

सितंबर महीने के प्रारंभ से कोरोना केसों में लगातार वृद्धि हो रही है। 17 दिनों तक राज्य में 1300 से अधिक केस के बाद 18वें दिन से 1400 से अधिक कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हो रहे हैं। आज लगातार दूसरे दिन राज्य में 1400 से ज्यादा कोरोना के केस सामने आए हैं। वहीं आज 1470 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज किया गया है, जबकि 16 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में सूरत कॉर्पोरेशन में 174, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 152, सूरत में 107, जामनगर कॉर्पोरेशन में 103, वडोदरा कॉर्पोरेशन में 99, राज. कोट कॉर्पोरेशन में 99, राजकोट कॉर्पोरेशन में 97, मेहसाणा में 69, राजकोट में 54, बनासकांठा में 44, वडोदरा में 39, पंचमहल में 30, अमरेली में 29, मोरबी में 28, अहमदाबाद में 26, कच्छ में 26, भावनगर कॉर्पोरेशन में 25, भरुच में 24, गांधीनगर में 23, जामनगर में 23, पाटन में 23,

गांधीनगर कॉर्पोरेशन में 21, जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में 18,

भावनगर में 17, जूनागढ़ में 17, महीसागर में 16, दाहोद में 15, गिर सोमनाथ में 15, देवभूमि द्वारका में 14, साबरकांठा में 13, खेडा में 12, नर्मदा में 12,

सुरेन्द्रनगर में 12, आणंद में 10, तापी में 10, बोटाद में 9, छोटाउदेपुर में 8, नवसारी में 8, पोरबंदर में 5, अरवल्ली में 2, वलसाड में 2 और डांग में 1 समेत राज्यभर में कुल 1432 कोरोना के नए केस दर्ज हुए हैं, जबकि 1470 लोगों को डिस्चार्ज किया गया। इस दौरान सूरत में 4, अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में 3, अमरेली, भावनगर, भावनगर कॉर्पोरेशन, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, कच्छ, राजकोट कॉर्पोरेशन, सूरत कॉर्पोरेशन, वडोदरा और वडोदरा कॉर्पोरेशन में 1–1 समेत राज्य में कुल 16 मरीजों की कोरोना से मौत हो गई।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक आज 61432 समेत राज्यभर में अब तक कुल 3739782 लोगों का टेस्ट किया गया है।

जिसमें अब तक राज्यभर में कुल 121930 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। इसमें से 102571 लोग कोरोना को मात देकर ठीक हो गए हैं और 3305 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है।

शेष 16054 एक्टिव केसों में 15957 की हालत स्थिर है और 97 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

राज्य में रिकवरी रेट 84.12 प्रतिशत है। राज्य के विभिन्न जिलों में आज की तारीख में कुल 608857 लोगों को कोरन्टाइन किया गया है। 608437 होम कोरन्टाइन और 420 लोगों को फैसिलिटी कोरन्टाइन में रखा गया है।

दो मोटर साइकिलों के बीच भिड़ंत में तीन युवकों की मौके पर मौत, एक गंभीर

पाटन चाणस्मा धिणोज गांव के निकट दो मोटर साइकिलों के बीच हुई जबर्दस्त भिड़ंत में तीन युवकों की घटनास्थल पर मौत हो गई, जबकि एक युवक को गंभीर हालत में एम्बुलैंस 108 की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

जानकारी के मुताबिक उत्तरी गुजरात में पाटण जिले के चाणस्मा–महेसाण ा हाईवे पर धिणोज गांव के निकट तेज रफ्तार में भागी चली जा रही दो मोटरसाइकिलें के बीच आपस में भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि छना जोगाभाई राठौड़, आशीष बलदेवभाई पटेल और विरल पटेल नामक तीन युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई और एक युवक को गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। खबर मिलते ही पुलिस और एम्बुलैंस 108 घटनास्थल पर पहुंच गई। गंभीर रूप से घायल युवक विष्णु राठौड़ को अस्पताल पहुंचाया गया।

शराबी पत्नी से परेशान पति पहुंचा पुलिस की शरण

अहमदाबाद शराब पीकर पत्नी के साथ पति द्वारा मारपीट के अनेकों मामले सामने आए हैं, लेकिन अहमदाबाद में शराबी पत्नी से परेशान पति को पुलिस की शरण लेनी पड़ी है। शराब पीकर पत्नी मारपीट समेत शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न करती होने की शिकायत पति ने अहमदाबाद के खोखरा पुलिस थाने में दर्ज करवाई है।

जानकारी के मुताबिक अहमद. ाबाद के मणीनगर में रहनेवाले ए ानाढ्य परिवार के युवक ने एक युवती के साथ लव मैरेज की थी।

परिवार के खिलाफ जाकर युवती से शादी करने वाला युवक शादी के बाद अपनी पत्नी के साथ अलग रहता था। शादी के कुछ दिनों के बाद युवक को पता चला कि उसकी पत्नी शराब की आदी है। शराब को लेकर पति–पत्नी के बीच झगड़ा हुआ और बाद में युवक ने अपने माता–पिता के साथ रहने का फैसला कर लिया। संयुक्त परिवार में पहुंचने के बाद युवती ने युवक के माता–पिता पर मानसिक अत्याचार शुरू कर दिया। शराब के नशे में युवती अपने पति के साथ मारपीट करने लगी। घर की इज्जत बचाने के डर से परिवार खामोश रहा। परिवार की खामोशी के कारण युवती स्वच्छंद हो गई और घर में गृह क्लेश बढ़ने लगा। एक युवती पति के कारखाने में पहुंच गई और उसके साथ दुर्व्यवहार करते काफी हंगामा किया। इतना ही नहीं युवती ने युवक के माता–पिता पर मकान अपने नाम करने दबाव डालना शुरू कर दिया। युवक के पिता को कोरोना हो गया। उस वक्त युवती ने अपने पति को पिता के पास जाने से रोक दिया। जिसे लेकर दोनों के बीच तीखी नोंकझोंक और युवती ने पति की पिटाई कर दी। महिला कानून का हवाला देते हुए युवती ने केस करने की धमकी भी दी। पत्नी के अत्याचार से तंग आकर युवक ने आखिरकार खोखरा पुलिस थाने में अपनी पत्नी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवा दीद्य जानकारी के मुताबिक युवक पहले भी खोखरा पुलिस थाने में पत्नी के खिलाफ शिकायत कर चुका है, लेकिन कुछ समय बाद दोनों के बीच समाधान हो गया था और दोनों साथ रहने लगे थे। युवती ने कुछ समय पहले अपने सास–ससुर के खिलाफ दहेज को लेकर

शारीरिक और मानसिक यातना की शिकायत की थी। पुलिस ने युवक की शिकायत की आधार पर मामले की जांच शुरू की है।

राज्य में अब तक मौसम की 128.04 प्रतिशत बारिश, सबसे ज्यादा कच्छ में

गुजरात में अब तक मौसम की 128.04 प्रतिशत हो चुकी है और आगामी दिनों में राज्य में

छिटपुट बारिश होने की संभावना है। सौराष्ट्र, कच्छ और दक्षिण गुजरात में अगले पांच दिनों के दौरान छिटपुट बारिश हो सकती है। पिछले चार दिनों से सौराष्ट्र, कच्छ के अलावा दक्षिण गुजरात में बारिश हुई है। राज्य के स्टेट इमर्जंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य में इस साल 128.04 प्रतिशत बारिश हुई है। सबसे अधिक बारिश कच्छ में 270 प्रतिशत दर्ज हुई और अब भी बारिश होने की संभावना है। उत्तरी गुजरात में 112 प्रतिशत, पूर्व–मध्य गुजरात में 93 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 174 प्रतिशत और दक्षिण गुजरात में मौसम की अब तक 108 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। आज सुबर 6 बजे तक पूरे हुए 24 घंटों के दौरान राज्य की 26 तहसीलों में बारिश हुई है।

जिसमें सबसे अधिक भरुच जिले के वालिया में 61 मिमी, वलसाड के वापी में 40 मिमी, नर्मदा के तिलकवाडा में 32 मिमी, भरुच के नेत्रंग में 20, सूरत के चौर्यासी में 15 मिमी, मांगरोल में 14, वडोदरा के वाघोडिया में 13, छोटाउदेपुर के जेतपुरपावी में 13 मिमी, आणंद के आंकलाव में 12, वडोदरा तहसील में 12 और भरुच के झगड़िया में 12 मिमी बारिश दर्ज हुई।

रोडवेज की बस ने बाइक सवार को उड़ाया, अधेड की मौत

भावनगर के विट्ठलवाडी क्षेत्र में रोडवेज की एक बस ने बाइक सवार को उड़ा दिया। इस हादसे में बाइक सवार अधेड़ की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्रवाई शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भावनगर से गारियाधार के बीच चलनेवाली रोडवेज की बस भावनगर ने विट्ठलवाडी क्षेत्र में एक बाइक सवार को अपनी चपेट में ले लिया। बस की टक्कर से बाइक सवार अधेड़ सड़क गिर गयाद्य घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और घायल अधेड़ को अस्पताल ले जाने का प्रयास करने लगेद्य लेकिन अस्पताल ले जाने से पहले ही अधेड़ ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। खबर मिलते ही भावनगर पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई। मृतक के पर्स से आधार कार्ड मिला है। मृतक लिंबाभाई मेर भावनगर जिले की वल्लभीपुर तहसील के रतनपुर गांव का निवासी था।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्वाई शुरू की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौर्या (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)